राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार , 04 मार्च 2026

वर्ष 14,अंक 312, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

खबर का असरः पानी की बर्बादी रुकी! अटौरा में पाइपलाइन मरम्मत शुरू...03

होली पर बालिका गृह में खुशियों की बरसातः डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने खिलाई गोझिया, बांटे नए कपड़े...04

जज ने समझा ही नहीं, केजरीवाल-सिसोदिया को छोड़ेगी नहीं सीबीआई, दिल्ली हाईकोर्ट में गिनाई सारी गलती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली की चर्चित आबकारी नीति मामले में एक नया मोड़ आ गया है. केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले में गंभीर खामियां बताई हैं. सीबीआई ने अपनी अपील में कहा कि विशेष न्यायाधीश जीतेंद्र सिंह ने मामले में 'मिनी ट्रायल' चला दिया और एजेंसी के सबूतों को पूरी तरह समझे बिना आदेश पारित कर दिया. एजेंसी ने यह भी कहा कि जज ने अभियोजन पक्ष के मामले को चुनिंदा तरीके से पढ़ा और पूरे षड्यंत्र को समग्र रूप से नहीं देखा. यह मामला 2021-22 की दिल्ली की नई आबकारी (शराब) नीति से जुड़ा है, जिसे बाद में वापस ले लिया गया था. सीबीआई का आरोप है कि इस नीति को बनाते समय जानबूझकर ऐसे बदलाव किए गए, जिनसे कुछ निजी कंपनियों को फायदा पहुंचे और बदले में कथित रूप से आर्थिक लाभ लिया गया.

ट्रायल कोर्ट ने क्या कहा था?

राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश जीतेंद्र सिंह ने 27 फरवरी को जारी अपने आदेश में कहा था कि सीबीआई की तरफ से पेश किए गए दस्तावेजों और साक्ष्यों से पहली नजर में भी कोई ठोस मामला नहीं बनता. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री किसी भी आरोपी के खिलाफ गंभीर संदेह तक पैदा नहीं करती. जज ने कहा कि अभियोजन पक्ष ऐसा कोई सबूत पेश नहीं कर पाया, जिससे आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाया जा सके. उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि बड़ी साजिश की जो थ्योरी पेश की गई थी, वह उपलब्ध साक्ष्यों की जांच में टिक नहीं पाती. इसी आधार पर सभी 23 आरोपियों को आरोपों से मुक्त कर दिया गया.

सीबीआई की अपील में क्या कहा गया?

सीबीआई ने इस फैसले के खिलाफ 974 पन्नों की विस्तृत अपील दाखिल की है. एजेंसी का कहना है कि विशेष न्यायाधीश ने आरोप तय करने के शुरुआती चरण में ही 'मिनी ट्रायल' जैसा व्यवहार किया और मामले के हर हिस्से का विस्तृत विश्लेषण कर दिया, जबकि इस स्तर पर केवल यह देखना होता है कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है या नहीं. सीबीआई के अनुसार, जज ने अभियोजन के पूरे मामले को एक साथ देखने के बजाय अलग-अलग हिस्सों में बांटकर देखा. एजेंसी का आरोप है कि फैसले में अभियोजन के सबूतों को चुनिंदा तरीके से पढ़ा गया और उन तथ्यों को नजरअंदाज कर दिया गया, जो आरोपियों की भूमिका को दर्शाते थे. सीबीआई ने यह भी कहा कि जज ने जांच एजेंसी और जांच अधिकारी के खिलाफ जो प्रतिकूल टिप्पणियां कीं, वे 'अनुचित और समझ से परे' हैं.

शराब नीति में बदलाव को लेकर गंभीर आरोप

सीबीआई का कहना है कि 2021-22 की आबकारी नीति में किए गए बदलाव सामान्य प्रशासनिक फैसले नहीं थे. एजेंसी के मुताबिक, नीति के तहत थोक व्यापार को निजी हाथों में सौंपने का फैसला किया गया और मुनाफे का मार्जिन 5% से बढ़ाकर 12% कर दिया गया. साथ ही टर्नओवर की शर्तों में भी ढील दी गई, जबकि विशेषज्ञों ने पहले की व्यवस्था बनाए रखने की सलाह दी थी. सीबीआई का आरोप है कि यह सब पहले से तय 'क्विड प्रो क्वो' यानी लेन-देन की योजना का हिस्सा था. एजेंसी का दावा है कि उसके पास वरिष्ठ नौकरशाहों के बयान और डिजिटल साक्ष्य हैं, जो यह संकेत देते हैं कि नीति को खास तरीके से तैयार किया गया.

अपील में कहा गया है कि नीति तैयार करने से लेकर कथित रूप से रिश्वत की रकम के इस्तेमाल तक एक सतत आपराधिक साजिश चली. सीबीआई का दावा है कि कथित अवैध धन का इस्तेमाल गोवा विधानसभा चुनाव में किया गया. हालांकि, जज जितेंद्र सिंह ने अपने आदेश में कहा था कि गोवा चुनाव से जुड़े आरोप अधिकतर अनुमान और धारणाओं पर आधारित हैं, न कि ठोस कानूनी साक्ष्यों पर.

जज पर उठाए गए सवाल

सीबीआई ने अपनी अपील में कहा है कि विशेष न्यायाधीश ने साजिश के मूल आधार को नजरअंदाज कर दिया और छोटे-छोटे विरोधाभासों पर अधिक ध्यान दिया. एजेंसी के अनुसार, जज ने आरोपियों की भूमिकाओं को अपनी अलग समझ के आधार पर परिभाषित किया, जो अभियोजन के प्रस्तुत मामले से अलग थी. सीबीआई ने यह भी कहा कि आरोप तय करने के चरण में कानून की जो सीमाएं और सिद्धांत लागू होते हैं, उनका सही तरीके से पालन नहीं किया गया. एजेंसी का दावा है कि फैसला 'स्पष्ट रूप से गलत, कानून के विपरीत और तथ्यों की गलत व्याख्या पर आधारित' है.

अपील में सीबीआई ने यह भी कहा कि कथित साजिश उच्च राजनीतिक स्तर पर रची गई थी. एजेंसी का आरोप है कि नीति के ढांचे में जानबूझकर बदलाव किए गए, ताकि निजी होलसेल व्यवस्था लागू की जा सके और कुछ कंपनियों को फायदा मिले. सीबीआई का कहना है कि नीति में किए गए बदलाव सिर्फ प्रशासनिक सुधार नहीं थे, बल्कि पहले से तय लेन-देन को आगे बढ़ाने के लिए बुनियादी कदम थे, जिनमें दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं की भूमिका थी.

अब आगे क्या?

सीबीआई ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए उसी दिन दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया. हाईकोर्ट इस अपील पर 9 मार्च को सुनवाई करेगा. अगर हाईकोर्ट को लगता है कि ट्रायल कोर्ट ने कानून की गलत व्याख्या की है या पर्याप्त आधार होते हुए भी आरोप तय नहीं किए गए, तो मामला दोबारा ट्रायल के लिए भेजा जा सकता है. वहीं, यदि हाईकोर्ट ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही मानता है, तो आरोपियों को मिली राहत बरकरार रहेगी.

बंगाल चुनाव को लेकर EC की सख्त तैयारी, पोलिंग बूथ के आसपास भी लगेंगे CCTV कैमरे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल में इसी साल विधानसभा चुनाव होने है, जिसको लेकर सभी राजनीतिक दल तैयारियों में जुटे हुए हैं. इस बीच आयोग ने घोषणा की है कि पोलिंग बूथ के अंदर ही नहीं बल्कि उसके आसपास भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, ताकि किसी भी तरह की कोई गड़बड़ी न हो और चुनाव पूरे तरह से निष्पक्ष हो. चुनाव आयोग हर बूथ पर कड़ी नजर रख रहा है.हर बूथ पर पहले से ही सीसीटीवी वेबकास्टिंग सिस्टम लगा हुआ था. लेकिन अब चुनाव आयोग ने बूथ के अंदर और बाहर सीसीटीवी लगाने का आदेश दिया है. सोमवार (2 मार्च) को उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोलकाता में जिला मजिस्ट्रेट और आयोग के अधिकारियों के साथ बैठक की इसी दौरान यह फैसला लिया गया.

कैमरे में कैद होगी गड़बड़ी

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि सीसीटीवी कैमरे लगने के बाद बूथ के अंदर या बाहर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी कैमरे में कैद हो जाएगी और आयोग इसके खिलाफ कार्रवाई करेगा. यहां तक ??कि अगर कोई बूथ में जबरदस्ती घुसने की कोशिश करता है, तो भी आयोग उसके खिलाफ कार्रवाई करेगा. इसके अलावा, बूथ के बाहर निगरानी की जिम्मेदारी पर्यवेक्षकों को सौंपी जाएगी.

बैठक में चुनाव आयोग के सख्त निर्देश

बूथों पर निगरानी के अलावा, सोमवार को हुई बैठक में चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि केंद्रीय बलों को किसी से भी किसी प्रकार का आतिथ्य सत्कार स्वीकार नहीं करना चाहिए. विशेष रोल ऑब्जर्वर सुब्रता गुप्ता ने बताया कि 6 मार्च को कुल दो सौ न्यायिक अधिकारी आएंगे, जिनमें से एक-एक सौ ओडिशा से होंगे.वहीं जिन स्थानों पर अधिक मामले विचाराधीन हैं, वहां अधिक न्यायिक अधिकारी तैनात किए जाएंगे. चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, बूथों पर तैयारियां अभी तक संतोषजनक नहीं हैं. बूथों में कहीं भी पानी नहीं है और कुछ स्थानों पर बिजली भी नहीं है, जिससे परेशानी होगी. परिणामस्वरूप हर चीज की जांच करनी होगी और उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी. विधानसभा चुनावों से पहले की इस तैयारी से स्पष्ट है कि आयोग जमीनी हकीकत से वाकिफ होकर चुनाव लड़ने जा रहा है. इसलिए बैठक में कड़ा संदेश दिया गया है.

कार्यवाही का सीधा प्रसारण हो... 'फांसी घर' मामले में समन पर अरविंद केजरीवाल की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली विधानसभा में कथित फांसी घर मामले में जारी समन पर अरविंद केजरीवाल 6 मार्च को विधानसभा की प्रिविलेज कमेटी के सामने पेश होंगे. इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसमें 'समिति को पत्र' लिखा है. इसमें दिल्ली के पूर्व सीएम लिखते हैं, दिल्ली प्रदूषण से जूझ रही है. सड़कें टूटी पड़ी हैं. हर तरफ कूड़े के ढेर हैं. अस्पतालों में दवाइयां नहीं हैं. अरविंद केजरीवाल इसी पोस्ट में आगे लिखते हैं, दिल्ली विधानसभा ने फांसी घर पर प्रश्न पूछने के लिए मुझे बुलाया है. मैंने विशेषाधिकार समिति को पत्र लिखकर सूचित कर दिया है कि उनके समन के अनुसार मैं 6 मार्च को उपस्थित रहूंगा. पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए समिति से मेरी विनती है कि कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाए.

अपने पत्र में केजरीवाल ने क्या-क्या कहा?

अरविंद केजरीवाल ने अपने पत्र में विशेषाधिकार समिति से कहा, असेंबली के रूल्स ऑफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट ऑफ बिजनेस के रूल 172 और 220 के तहत जारी समन मुझे मिला है. इस नोटिस के अनुसार मैं 6 मार्च को दोपहर 3 बजे बताई गई जगह पर कमिटी ऑफ प्रिविलेज के सामने पेश होऊंगा. उन्होंने कहा, मेरे पेश होने से मेरे कानूनी और संवैधानिक अधिकारों, उपायों, आपत्तियों और दलीलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जो सभी साफ तौर पर रिजर्व हैं. ट्रांसपेरेंसी और पब्लिक अकाउंटेबिलिटी के हित में मैं रिक्वेस्ट करता हूं कि इस मामले में कमेटी की कार्यवाही को लाइव-स्ट्रीम किया जाए.

क्या है फांसी घर विवाद?

मामला अगस्त 2020 का है. आम आदमी पार्टी सरकार ने विधानसभा परिसर में एक स्ट्रक्चर को ब्रिटिश काल का फांसी घर बताते हुए उद्घाटन किया था. हालांकि, इसे लेकर बीजेपी का अपना दावा है. बीजेपी का कहना है कि यह फांसी घर नहीं बल्कि पुराना टिफिन रूम था. इसे गलत तरीके से फांसी घर बताया गया और जनता को गलत जानकारी दी गई. बीजेपी ने इस मामले में आम आदमी पार्टी पर एक और गंभीर आरोप लगाया. बीजेपी ने कहा कि तब की आम आदमी पार्टी सरकार ने इसके रेनोवेशन पर सरकारी धन का दुरुपयोग किया. इसकी जांच के लिए विशेषाधिकार समिति बनी है.

संक्षिप्त ख़बरें

'चलो होलिका देखकर आते...', बहाने से खेत ले गया युवक, चाकू से गोदकर की हत्या; हैरान कर देगी वजह

बिहार के शिवहर जिले से हत्या की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां होली से ठीक दो दिन पहले पिता की मौत का बदला लेने के इरादे से बेटे ने एक व्यक्ति की चाकू से गोद-गोदकर हत्या कर दी. जांच में सामने आया है कि आरोपी बेटा पिछले 10 सालों से बदले की आग में जल रहा था. मौका मिलते ही उसने नशे की हालत में घटना को अंजाम दे दिया. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस इस हत्याकांड की जांच में जुट गई है.

होली से ठीक पहले जिले के तरियानी छपरा थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात ने इलाके में दहशत फैला दी. 10 साल पुरानी दुश्मनी की आग में धधक रहे अरुण कुमार नाम के युवक ने अपने ही गांव गंगा धर्मपुर के 35 वर्षीय विनोद राय की चाकू से गोद-गोद कर हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि आरोपी युवक ने शराब के नशे में इस वारदात को अंजाम दिया. घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ सुशील कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

घर से बुलाकर ले गया था आरोपी

मृतक के भाई सुबोध राय ने बताया कि वे तीन भाई हैं. आरोप है कि आरोपी विनोद राय को सोमवार शाम करीब 4 बजे घर से बुलाकर अपने साथ ले गया था, जिसके बाद विनोद की हत्या कर दी गई. SDPO सुशील कुमार ने बताया कि करीब 10 साल पहले आरोपी अरुण के पिता की मौत विनोद राय के खेत मे जंगली मवेशियों से फसल की सुरक्षा के लिए लगाए गए बिजली के करंट से हो गई थी.

खेत में चाकू से गोदकर हत्या

आरोपी को शक था कि उसके पिता की मौत के पीछे विनोद राय का हाथ था. इसी शक और बदले की भावना में वह सालों से अंदर ही अंदर जल रहा था. सोमवार की शाम अरुण, दिनेश को लेकर होलिका दहन की तैयारी की बात कह गांव के खेत की तरफ निकला और इसी क्रम मे उसने हत्या जैसी जघन्य वारदात को अंजाम दे दिया. मंगलवार सुबह विनोद शव खेत में पड़ा देख गांव में हड़कंप मच गया. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है.

UP- 'घर मेरे नाम कर दो, मैं काम नहीं करूंगी'... पत्नी की शिकायत लेकर थाने पहुंचा पति, दर्ज कराई FIR

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के सुभाषनगर में एक पति ने अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई. मामला सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी. पीड़ित पति का आरोप है कि वह पिछले कई महीनों से मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेल रहा. उसकी पत्नी किसी दूसरे मर्द से बात करती है. पत्नी ने उसका मोबाइल नंबर भी ब्लॉक कर दिया है.

पत्नी ने किया ब्लॉक, दूसरे लड़कों से करती बात

दरअसल, बीडीए कॉलोनी के रहने वाले एक व्यक्ति ने सुभाषनगर थाने में तहरीर देते हुए बताया कि पत्नी ने उसे करीब आठ महीने पहले अपने मोबाइल से ब्लॉक कर दिया. आरोप है कि जहां एक ओर वह अपने पति से बात नहीं करती, वहीं दूसरी ओर दूसरे लड़कों से घंटों फोन पर बातचीत करती है. इतना ही नहीं, वह उनके साथ वीडियो बनाकर शेयर भी करती है.

पति का आरोप है कि जब वह इस बारे में सवाल करता है तो पत्नी झगड़ा करने लगती है. कहती है कि वह महिला है और घर में उसी की चलेगी. पीड़ित पति का आरोप है कि पत्नी अक्सर पांच-पांच घंटे तक घर से बाहर रहती है. पूछने पर ठीक से जवाब नहीं देती.

मकान अपने नाम कराने का दबाव

पति ने यह भी आरोप लगाया कि उसकी पत्नी उस पर मकान अपने नाम कराने का दबाव बना रही. जब उसने ऐसा करने से मना किया तो पत्नी और उसके मायके वालों ने मिलकर उसकी पिटाई की. पीड़ित का आरोप है कि कई बार उसके साथ मारपीट की गई, लेकिन उसने घर की इज्जत के चलते पहले शिकायत नहीं की. अब हालात इतने बिगड़ गए कि उसे अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा की चिंता सता रही. पति का आरोप है कि पत्नी उसे दहेज के झूठे केस में फंसाने की धमकी देती है. वह कहती है कि अगर उसकी बात नहीं मानी गई तो वह खुद को नुकसान पहुंचाकर उसे और उसके परिवार को जेल भिजवा देगी. पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि हाल ही में पत्नी के परिजन घर आए थे. करीब 25 लाख रुपए के जेवरात लेकर चले गए. उसने इस मामले की भी जांच की मांग की है. पति का कहना है कि वह काफी समय से मानसिक तनाव में है. उसे डर है कि कभी भी उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज कराया जा सकता है. इसी डर और लगातार हो रही प्रताड़ना से परेशान होकर उसने आखिरकार पुलिस का दरवाजा खटखटाया और रिपोर्ट दर्ज कराई.

थाना प्रभारी ने दी घटना की जानकारी

सुभाषनगर थाना प्रभारी जितेंद्र का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है. सभी आरोपों की जांच की जा रही है. पुलिस का कहना है कि जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

'खाना बनाती नहीं, बिना बताए चली जाती मायके'... बालोद में पति ने पत्नी का साड़ी से घोंटा गला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में देवीनवागांव गांव के तांदुला नदी किनारे मिली की महिला की लाश के मामले में पुलिस की बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस की जांच में हत्या का खुलासा हुआ है. इसका आरोपी कोई और नहीं बल्कि महिला की पति ही बताया जा रहा है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पूछताछ में आरोपी पति ने कई हैरान करने वाले खुलासे किए हैं. साथ ही हत्या के कारण को भी बताया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है. जानकारी के अनुसार, 23 फरवरी बालोद थाना क्षेत्र के तहत आने वाले देवीनवागांव के पास तांदुला नदी किनारे एक महिला के शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी. जानकारी मिलते ही बालोद थाना की पुलिस, वरिष्ठ अधिकारी, फॉरेंसिक टीम और डाग स्क्वाड की टीमें मौके पर पहुंच गई. शुरूआती जांच में ही मामला हत्या का प्रतीत हो रहा था. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी.

पुलिस ने हर पहलू पर की जांच

घटना को गंभीरता से लेते हुए दुर्ग रेंज

आइजी के मार्गदर्शन में एसपी योगेश पटेल के निर्देशन एक विशेष टीम गठित की गई. जांच के दौरान मृतक महिला की पहचान देवीनवागांव की रहने वाली सावित्री निषाद के रूप में हुई. शव की शिनाख्त के लिए तुरंत परिजन को मौके पर बुलाया गया. साथ ही उसके बारे में जानकारियां हासिल की गई. पुलिस की जांच टीम ने कई दिनों तक गांव में ही कैंप किया और मामले की हर पहलू से जांच की.

मानसिक रूप से बीमारी थी मृतका

जांच में सामने आया है कि महिला कुछ सालों से मानसिक रूप से बीमार चल रही थी. वह बिना बताए ही अपने मायके चली जाती थी. कोई भी घरेलू काम नहीं करती थी. घटना वाले दिन भी उसने घर का कोई काम नहीं किया था. छोटी बेटी बिना खाए ही स्कूल चली गई थी. बड़ी बेटी घर में थी. इस बीच मां बिना खाए कहीं चली गई. पति धर्मेन्द्र निषाद गांव के ही एक छठी कार्यक्रम में गया था. वह लौटकर घर आया तो उसे पत्नी घर में नहीं मिली.

नदी किनारे की हत्या

इस बात से वह काफी गुस्सा हो गया. वह पत्नी को खोजने के लिए गांव की तरफ निकला, लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चला. इसके बाद तांदुला नदी की ओर गया, जहां वह शौच के लिए जाती थी. वह एक पुरानी साड़ी को फाड़कर रस्सी नुमा बनकर अपने साथ ले गया. पत्नी को देखते ही धमेन्द्र ने उसकी साड़ी से गला घोटकर हत्या कर दी और फिर लोगों को गुमराह करने के लिए पत्नी के स्कार्फ से गला और सिर ढक दिया, ताकि लोगों को लगे कि स्कार्फ फंसने से मौत हो गई.

जेल भेजा गया आरोपी पति

इसके बाद आरोपी खेत के रास्ते घर आ गया. पुलिस ने मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जो कि पत्नी के मानसिक बीमारी और बार-बार कहीं भी निकल जाने से परेशान था. इसी के चलते उसने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.

क्या किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या का समर्थन करते हैं... राहुल गांधी ने पीएम मोदी से पूछे तीखे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमले को उसकी संप्रभुता का उल्लंघन बताते हुए उसकी निंदा करने के साथ ही मध्यपूर्व के देशों पर ईरान द्वारा किए जा रहे हमलों की भी स्पष्ट निंदा करते हुए इस मामले में भारत सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता खामनेई की हत्या के संदर्भ में सवाल उठाते हुए राहुल गांधी ने पीएम मोदी से पूछा कि विश्व व्यवस्था को नए हिसाब से तय करने के लिए किसी राष्ट्र के प्रमुख की हत्या का क्या वे समर्थन करते हैं। ईरान के संदर्भ में सरकार के रूख पर निशाना साधते हुए नेात विपक्ष ने कहा कि चुप्पी अब दुनिया में भारत की हैसियत कम कर रही है।

सोनिया गांधी ने सरकार के रूख की आलोचना की

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की ईरान को लेकर सरकार के रूख की आलोचना संबंधी प्रकाशित एक लेख का समर्थन करने के बाद राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ती दुश्मनी एक नाजुक इलाके को बड़े संघर्ष की ओर धकेल रही है। करोड़ों लोग जिनमें लगभग एक करोड़ भारतीय भी शामिल हैं, अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। हालांकि सुरक्षा की चिंताएं असली हैं। लेकिन संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमले संकट को और बढ़ा देंगे। ईरान पर एकतरफा हमलों, साथ ही ईरान के दूसरे मध्यपूर्व देशों पर हमलों की निंदा की जानी चाहिए। हिंसा से हिंसा ही पैदा होती है। बातचीत और संयम ही शांति का एकमात्र रास्ता है। भारत को नैतिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए।

राहुल गांधी ने भारत सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए

हमें अंतर्राष्ट्रीय कानून और इंसानी जिंदगी के बचाव में साफ-साफ बोलने की हिम्मत होनी चाहिए। हमारी विदेश नीति संप्रभुता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर आधारित है और इसे एक जैसा रहना चाहिए। पीएम मोदी को बोलना चाहिए, क्या वह विश्व व्यवस्था तय करने के तरीके के तौर पर किसी देश के राष्ट्र प्रमुख की हत्या का समर्थन करते हैं? अब चुप्पी दुनिया में भारत की हैसियत कम कर रही है।

इससे पूर्व एक अन्य पोस्ट में नेता विपक्ष ने सोनिया गांधी के इस रूख की समर्थन किया जिसमें कहा गया है कि भारत को संप्रभुता और शांति के लिए खड़ा होना चाहिए और अपने नैतिक ताकत की फिर से तलाश करनी चाहिए।

तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी पर प्रतीकात्मक प्रार्थना की मिली अनुमति, मद्रास हाई कोर्ट ने 5 लोगों के नाम पर लगाई मुहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने प्रशासन को सुझाव दिया कि वह कोर्ट की ओर से नामित पांच व्यक्तियों को तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी के पत्थर के खंभे के पास 15 मिनट के लिए बिना दीपक जलाए प्रतीकात्मक प्रार्थना करने की अनुमति दे। कार्तिगाई दीपम को दीपथून पर जलाने के संबंध में पहले के आदेश का पालन नहीं करने के लिए दायर अवमानना याचिका की सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि यदि सरकार कोर्ट के पूर्व आदेशों का सम्मान करना चाहती है, तो प्रतीकात्मक प्रार्थनाओं की अनुमति दी जा सकती है। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाली बेंच ने टिप्पणी की कि तमिलनाडु के खनिज और खनन मंत्री एस. रघुपति ने तिरुप्परंकुंद्रम मुद्दे पर ''एक शरारती राजनीतिक मोड़'' दिया जब उन्होंने कहा कि सरकार दीपथून पर कार्तिगाई दीपम जलाने की अनुमति नहीं देगी।

मदुरै के कलेक्टर केजे प्रवीण कुमार ने एक अतिरिक्त हलफनामा दायर किया जिसमें कहा गया कि उन्होंने एक दिसंबर, 2025 को कानून-व्यवस्था की स्थिति के लिए निषेध आदेश जारी किए, ताकि मंदिर प्राधिकरण हाई कोर्ट के आदेशों का पालन करने में बाधित नहीं हों। जवाब में जस्टिस स्वामीनाथन ने 2 मार्च को कहा, ''मैं सुझाव देता हूं कि इस कोर्ट द्वारा पारित आदेश का सम्मान इस कोर्ट द्वारा नामित पांच व्यक्तियों के एक समूह को पहाड़ी के निचले शिखर पर जाने की अनुमति देकर दिखाया जा सकता है, जहां दीपथून स्थित है, ताकि प्रतीकात्मक प्रार्थनाएं की जा सकें। यह पूरा कार्य 15 मिनट तक सीमित किया जा सकता है। यह केवल एक सुझाव है और कोई निर्देश नहीं।''

न्यायाधीश ने मामले की आगे की सुनवाई को 4 मार्च तक स्थगित कर दिया। न्यायाधीश ने रघुपति के इस मुद्दे पर रिपोर्ट किए गए बयानों के लिए अवमानना कार्यवाही शुरू करने के लिए एक उप-आवेदन बंद कर दिया और निष्कर्ष निकाला कि ''रघुपति ने घटनाओं के मोड़ को एक शरारती राजनीतिक मोड़ दिया है। कलेक्टर का निषेधात्मक आदेश जारी करना अवमानना है या नहीं, यह अदालत की कार्यवाही का विषय है। उप-न्यायालय का नियम लागू होगा। मंत्री को इसे ध्यान में रखना चाहिए।'' जस्टिस स्वामीनाथन ने स्पष्ट किया कि यदि आवश्यकता पड़ी, तो वह उप-आवेदन को फिर से खोलने में संकोच नहीं करेंगे।

आत्मीय इंद्रधनुषी रंगों से ओत-प्रोत हर्षोल्लास का वैश्विक महापर्व होली

होली की अनंत बधाइयां शुभकामनाएं।

होली और होलिकात्सव यह एक ऐसा अद्भुत त्यौहार है जिसे देश मे अनेक धर्म संप्रदाय होने के बावजूद इसे बहुत ही उत्साह और भाईचारे के साथ मनाया जाने वाला महापर्व माना गया है। इसे समरसता का एक बड़ा प्रतीक भी माना गया है, एकमात्र होली ही ऐसा सनातनी त्यौहार है जो भारत देश की धर्मनिरपेक्षता का जीता जागता अभूतपूर्व उदाहरण है। भाईचारे की इस त्यौहार में रंगों की आत्मीयता से मिलन की मिठास दुगनी हो जाती है। वर्ग विभेद वाले इस त्यौहार में हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सब एकता पूर्वक इस पर्व को संपूर्ण गर्व के साथ से मनाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी किताब डिस्कवरी ऑफ इंडिया में लिखा है कि भारत स्वयं में एक लघु विश्व है। निसंदेह इ भारत पर अध्ययन करने वाले सभी चिंतकों तथा विद्वानों ने एकमत से यह माना है कि भारत विविधताओं व बहुलताओं के मामले में विश्व का अनूठा एवं दिलचस्प देश है। अनेक प्रकार की भाषाएं, रीति रिवाज, खान-पान, रहन-सहन, लोकगीत,नृत्य, धर्म, संप्रदाय, सामाजिक संरचनाएं और संस्थाएं इस देश को बेहद बहुलतावादी और वैविध्यपूर्ण राष्ट्र बनाती है। इस विशाल, बहु भाषाई, बहु सांस्कृतिक देश की अपनी विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, दार्शनिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, जनसांख्यिकी और भाषाई विभिन्नताएं, विषमताऐ और विशेषताएं विद्वमान है। जो इस देश की विविधता में एकता की खूबी को प्रदर्शित करती है। भारत की सामाजिक संरचना स्वयं में काफी जटिल है। देश में समाज बहुत सारे वर्गों उप वर्गों में बटा हुआ है, इसी तरह यहां समाज में ग्रामीण, उपनगरीय, नगरीय, महा नगरीय, जनजातीय, पहाड़ी कैसे वर्गों में विभाजित हुआ है। भारत में सामाजिक वर्ग भेद के साथ अंदरुनी अंतर्द्वंद भी बहुत ज्यादा है,जैसे कि एकल परिवार और संयुक्त परिवार जातिवादी जाति विहीन समाज ग्रामीण नगरीय द्वंद विवाह सन्यास का द्वंद जो अनेक रूपों में भारतीय समाज में जनमानस के रूप में दिखाई देता है और यह द्वंद स्वतंत्रता के पश्चात से दिखाई देने लगा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जहां ग्राम स्वराज को आर्थिक विकास की धुरी मानते हुए सर्वोदय पंचायती राज स्वरोजगार एवं परस्पर सहयोग को बढ़ावा देना चाहते थे,दूसरी तरफ पंडित जवाहरलाल नेहरू का झुकाव औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े क्षेत्र को तीव्र औद्योगिकरण, कल कारखानों को मजबूत करने की ओर था। इसीलिए भारतीय समाज में मिश्रित अर्थव्यवस्था की नई व्यवस्था के माध्यम से इसका समुचित समाधान निकाला गया था।

भारत के राजनीतिक द्वंद भी बहुतायत में रहे हैं। आजादी से पहले कांग्रेस के गरम पंथ हुआ नरम पंथ का द्वंद चलता रहा है और पूर्ण स्वराज की मांग का उहापोह तथा आजादी के बाद संविधान निर्माण के समय संविधान की संघात्मक तथा एकात्मक रचना का विवाद या समाजवाद पूंजीवाद का द्वंद इसी तरह भारत दोनों में उलझता रहा है, और उसके बाद समाधान निकाल कर उससे बाहर भी आया है। भारत धार्मिक ,दार्शनिक व आध्यात्मिक दृष्टि से एक बेहद समृद्ध राष्ट्र रहा है। विश्व के चार प्रमुख धर्मों हिंदू, सिख, बौद्ध ,जैन की जन्मस्थली भारत ही रही है। इसी तरह भारत वेद पुराणों, उपनिषदों ,ब्राह्मणों, समितियों और आरण्यकों के प्राचीन साहित्य से लबालब भी रहा है। इसके अलावा इस्लाम ,ईसाई ,पारसी जैसे धर्मों को देश में स्वयं सम्मानित कर अपनी मुख्यधारा में समाहित भी किया है। भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विदेश नीति के मामले में गुटनिरपेक्षता की नीति को अपना कर किसी भी गुट में न रहते हुए स्वतंत्र विकास की नीति को अपनाया था। जो कालांतर में भारत की विदेश नीति का आधार स्तंभ रहा है। भारत में बहुआयामी विविधता भी रही है। स्वतंत्रता संग्राम में राजनेताओं ने जहां एक स्वर में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का पक्ष लिया था वहीं दूसरी तरफ देश के कुछ हिस्सों में हिंदी विरोधी आंदोलन तक हुए हैं। भारत में संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा देते हुए कुल 22 भारतीय भाषाओं को आठवीं अनुसूची में सम्मिलित कर भाषाई सौहार्द्र और समन्वय का बखूबी परिचय भी दिया है। और भारत में भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी चरित्र को बनाए रखने की भविष्य में भी निरंतर आवश्यकता बनी रहेगी। भारतीय समाज की विविधता पूर्ण सांस्कृतिक, साहित्यिक, दार्शनिक व्यवस्था के बीच विद्वानों ने चिंतन मनन कर इसके बीच का समाधान भी निकाला है एक का सबसे बड़ा उदाहरण भारत में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को महत्व देते हुए मिश्रित अर्थव्यवस्था का अंगीकार करना है। भारत की विजेताओं के विभिन्न नेताओं ने भारत देश के अंदरूनी मामले को लेकर देश की अर्थव्यवस्था सामाजिक व्यवस्था तथा राजनीतिक व्यवस्था को काफी मजबूत तथा पुख्ता भी किया है। भारत की विविधता में एकता के सिद्धांत पर चलते हुए भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था सामाजिक व्यवस्था राजनीतिक व्यवस्था तथा विदेशी नीति पर एक मजबूत आधार स्तंभ रखकर अपनी विश्व में एक अलग छवि तथा स्थान बनाया है। भारत में अनेक विविधताओं विषमताओं को विशेषता बनाकर समाधान अपने बीच ही खोज कर विश्व को एक कीर्तिमान बनाकर दिखाया है। आज भारत मैं इतनी बड़ी जनसंख्या और विभिन्न जातीय धर्म संस्कृति भाषाएं होने के बावजूद एकजुटता की नई मिसाल दिखाकर विश्व के किसी भी देश को टक्कर देने की स्थिति में है। भारत आज विकासशील देशों में अग्रणी देश माना जाता है। भारत की यही विविधता, विषमता, साइंस, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस तथा सामरिक क्षेत्र में अद्भुत एकजुटता किसी भी देश के आक्रमण का सामना करने के लिए सीना तान कर खड़ा होने की शक्ति सामर्थ और ताकत भी प्रदान करता है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने जितनी प्रगति और वैश्विक स्तर पर विदेशी देशों का विश्वास अर्जित किया है वह निसंदेह भारत की प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक परंपरा के कारण ही है। भारत की विविधता में एकता भारत की एक बड़ी शक्ति है जिसे हमें निरंतर बनाए रखना होगा तब जाकर हम किसी भी देश के सामने सिर उठाकर खड़े हो सकते हैं।

संजीव ठाकुर

शांति की बातें, युद्ध की तैयारी: सभ्यता का दोहरा चेहरा

[इतिहास नहीं, हिसाब: आने वाला कल हमसे जवाब माँगेगा]

[विरासत या विनाश: हमारी आँखों के सामने जलता भविष्य]

आसमान अभी भी धुंध और धुएँ से भरा था, जब हमारी आँखें टीवी स्क्रीन पर चमकते लाल ब्लॉकों में फँस गई। एक पल पहले तक यह सिर्फ़ खबरें थीं—और अगले ही पल, यह हमारी ज़िन्दगी बन गई। अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर हमला किया। 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त हमलों में आयतुल्लाह अली ख़ामेनेई की मौत हुई, जिसकी पुष्टि ईरानी राज्य मीडिया ने 1 मार्च को की। इस खबर ने दुनिया को झकझोर दिया, लेकिन हमारे भीतर का झटका और भी गहरा था। यह कोई दूर की लड़ाई नहीं थी—यह हमारी किताबों में, हमारी दीवारों में, हमारी सांसों में उतर गई। स्कूल की किताबें अब कागज़ नहीं रह गई थीं। वे बम के टुकड़ों में बदल गई थीं। हर पन्ना खून से सना था, हर अध्याय मौत की कहानी कहता था। बच्चे अब पढ़ेंगे कि छिपना और बचना ही उनका पाठ बन गया। हमारी पीढ़ी ने उन्हें विरासत दी है—एक ऐसी विरासत जिसमें ज्ञान और भय, दोनों सिखाए जाते हैं।

हमने शांति की बातें कीं। 'डिप्लोमेसी चलेगी,' कहा। लेकिन 28 फ़रवरी को ऑपरेशन शुरू हुआ, और हमारी आँखें फिर अंधेरी हो गई। टीवी बंद हुआ। सोशल मीडिया को स्क्रॉल करते हुए सोचा, 'यह हमारी दुनिया से दूर है।' लेकिन यह सच नहीं था। ईरान के न्यूक्लियर साइट्स पर हमले हुए, अमेरिकी सैनिकों की मौत की पुष्टि हुई है, इज़राइल पर मिसाइलें गिरीं, हिज़्बुल्लाह सक्रिय हुआ, और गल्फ़ में तेल सुविधाओं और जहाजों पर हमले हुए, आग और विस्फोट की खबरें आई। और हम? हम खून से सनी किताबें तैयार कर रहे हैं। किताबें जो नई पीढ़ी को पढ़ाएंगी कि उनका भविष्य किस तरह जलता रहा, और उनकी आवाज़ कहाँ गुम हो गई। यह हमारी सच्चाई है, और हमारी चुप्पी—सबसे बड़ा अपराध।

यह युद्ध नया नहीं है, लेकिन हमने इसे अपनी विरासत बना लिया है। 2025 में, जब इज़राइल ने ईरान पर हमला किया, हमने इसे सिर्फ़ 'सीमित संघर्ष' कहकर नजरअंदाज किया। जब ट्रंप ने घोषणा की कि 'ईरान को न्यूक्लियर हथियार नहीं मिलेंगे,' हमने उसकी चेतावनी को हँसी में उड़ा दिया। लेकिन अब, 2026 में, ख़ामेनेई की मौत के बाद, तेहरान में नागरिक क्षेत्र प्रभावित हुए, अस्पतालों और स्कूलों पर असर की खबरें सामने आ रही हैं। हमारी पीढ़ी ने चुन लिया है - बच्चों को खून भरी किताबें थमाना, हथियार बेचना, और तेल के लिए आंखें मूंद लेना। और वही बच्चे अब पढ़ेंगे - हर अध्याय में मौत, हर पन्ने पर खून, और जिन किताबों में जीवन का कोई पाठ नहीं। एक बच्चा अपनी माँ से पूछेगा, 'माँ, यह किताब क्यों लाल है?' और जवाब नहीं मिलेगा। क्योंकि यह लाल नहीं, यह खून से सनी थी। हमारी पीढ़ी ने कहा, 'हम लड़ रहे हैं ताकि तुम सुरक्षित रहो,' लेकिन लड़ाई किससे थी - खुद से? हमने घृणा बोई, नफ़रत उगाई। 'प्री-एम्प्टिव स्ट्राइक' की छाया में, मार का बोझ बच्चों पर पड़ा। युद्ध की छाया में रेडिएशन का खतरा मंडरा सकता है, कैंसर और बीमारियाँ पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती हैं। हमने उन्हें क्या विरासत दी? ऐसी किताबें जिनमें हर जन्म मौत की सज़ा पढ़ाता है, और जिनमें जीवन का कोई पाठ नहीं।

यह सिर्फ़ मिडिल ईस्ट की समस्या नहीं है। वर्ल्ड वॉर थ्री की आहट अब हर दिशा में गूँज रही है, हर ख़बर, हर रेडियो, हर स्क्रीन पर इसकी गूंज सुनाई देती है। पोल्स चीख रहे हैं - अमेरिका में 46%, ब्रिटेन में 43%, फ्रांस में उच्च प्रतिशत, जबकि जर्मनी में कम लोग अगले पाँच साल में ग्लोबल वॉर को संभावित मानते हैं। लेकिन हम सुन नहीं रहे। हम अपनी आँखें बंद करके नई पीढ़ी के लिए खून से सनी किताबें तैयार कर रहे हैं। बच्चे पढ़ेंगे - ऐसी किताबें जो न्यूक्लियर विंटर की कहानियाँ कहेंगी, जहाँ सूरज छिपा रहेगा, जहाँ फसलें उगना भूल जाएँगी, और भूख ही मृत्यु का दूसरा नाम बन जाएगी। यह हमारी विरासत है, और इसके साए में बढ़ती हर पीढ़ी अपनी पहली और आखिरी पाठशाला में मौत और विनाश ही देखेगी।

हमने जलवायु परिवर्तन को अनदेखा किया। हमने युद्ध को सामान्य मान लिया। अब इसकी कीमत चुकाने वाली नई पीढ़ी होगी। उनकी पहली किताब विस्फोट की होगी, उनकी आखिरी राख की। उनका डीएनए बदल चुका होगा, उनका बचपन डर और सायरन की चीखों में बीतेगा। उनके खेल नहीं, बल्कि खतरे की घंटियों की गूँज उनके कानों में गूँजेगी। हमारी पीढ़ी का सबसे बड़ा अपराध यही है - युद्ध को अपनी विरासत बनाना। हमने किताबें लिखीं - खून से। लेकिन अब वही किताबें उनकी पहली और आखिरी पढ़ाई बन चुकी हैं। नई पीढ़ी पढ़ेगी और समझेगी कि हमने क्या किया, और यह समझ उन्हें हमारे फैसलों की कीमत बतलाएगी।

अब जागने का वक्त है - इससे पहले कि खून से सनी किताबें बच्चों की पहली और आखिरी पढ़ाई बन जाएँ। जागो। बदलो। लड़ो। क्योंकि अगर हमने अभी नहीं बदला, तो नई पीढ़ी सिर्फ़ खून के पन्ने पलटेगी, और हर सवाल के जवाब के लिए हमारी चुप्पी ही रह जाएगी। बच्चे पूछेंगे, 'तुमने हमें क्यों मारा?' और हमारे पास कोई उत्तर नहीं होगा। अब मौका है - युद्ध नहीं, बल्कि शांति की विरासत देने का। हमारी जिम्मेदारी अब तक़दीर बदलने की है। नई पीढ़ी के लिए खून नहीं, शिक्षा छोड़ो। यही हमारी अंतिम लड़ाई है - आखिरी मौका सुधार का, और आखिरी मौका यह दिखाने का कि हम अभी भी अपने कर्मों के प्रभारी हैं।

युद्ध नहीं, यह हमारी विरासत है। हमने बच्चों को किताबें सौंप दी हैं - खून से सनी, आँसुओं से भरी, और पीढ़ियों तक उठती चोटों की गूँज समेटे। यह हमारी चुप्पी, हमारी उदासीनता, और हमारी लालच का सजीव प्रमाण है। अब समय है कि हम बदलें। हमें नई पीढ़ी को देने वाली किताबों से खून हटाना होगा, उन्हें केवल शिक्षा, शांति और आशा की विरासत देनी होगी। यही हमारी अंतिम मौका है - अगर हमने अब कदम नहीं उठाया, तो कल का सूरज कभी नई पीढ़ी के लिए पूरी तरह चमकेगा ही नहीं। यह हमारी जिम्मेदारी है, और हमारी चेतावनी भी - बदलाव अब अनिवार्य है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

संपादकीय

तीसरे विश्वयुद्ध का रिहर्सल साबित हो सकता है मौजूदा घटनाचक्र

पश्चिम एशिया एक बार फिर इतिहास के सबसे खतरनाक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत और इजरायल-अमेरिका के संयुक्त सैन्य हमलों ने पूरे क्षेत्र को युद्ध की खुली आग में झोंक दिया है। तेहरान पर सीधे हमले, सर्वोच्च नेतृत्व को निशाना बनाने की कार्रवाई और 1,200 से अधिक बम गिराए जाने पश्चिम एशिया में हालात विस्फोटक हो चुके हैं। एक ओर तेहरान अमेरिकी अग्नें और इजरायल पर अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दे रहा है, तो दूसरी ओर वॉशिंगटन ने साफ कर दिया है कि किसी भी हमले का उत्तर विनाशकारी होगा। दुबई समेत खाड़ी क्षेत्र में तनाव, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन पर हमलों की खबरें, और क्षेत्रीय शक्तियों की सक्रियता ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही है? अमेरिका के कथित 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' और इजरायल के 'ऑपरेशन लायन्स रोअर' ने ईरान के भीतर सैन्य और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया। इन हमलों का घोषित उद्देश्य ईरान की परमाणु और बैलिस्टिक क्षमताओं को सीमित करना बताया जा रहा है, लेकिन असली सवाल सिर्फ सैन्य क्षमता का नहीं, बल्कि क्षेत्रीय वर्चस्व का है। मिडिल ईस्ट दशकों से भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र रहा है ऊर्जा संसाधन, समुद्री मार्ग, धार्मिक राजनीतिक प्रभाव और सुरक्षा गठबंधन यहां की राजनीति को आकार देते रहे हैं। इस बीच वर्तमान संकट ने दुनिया को एक बार फिर दो खेमों में बांटने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अली खामेनेई 1989 से ईरान की सर्वोच्च सत्ता पर काबिज थे। तीन दशक से अधिक समय तक उन्होंने ईरान की विदेश नीति, परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय रणनीति को दिशा दी। उनके नेतृत्व में ईरान ने अमेरिका और इजरायल के साथ टकराव की नीति अपनाई, साथ ही लेबनान, सीरिया, इराक और यमन में अपने प्रभाव का विस्तार किया। ऐसे नेता की अचानक हिंसक मौत सिर्फ एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन में बड़ा झटका है। यही कारण है कि दुनिया में गुटबंदी के दुनिया में गुटबंदी शुरू हो गयी है। अमेरिका-इजरायल के साथ पश्चिमी देशों का खुफिया और लॉजिस्टिक समर्थन खड़ा दिखाई देता है। अमेरिका और उसके सहयोगियों का तर्क है कि ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या सैन्य हमले किसी परमाणु कार्यक्रम का स्थायी समाधान हो सकते हैं? इतिहास चताता है कि बमबारी से विचारधाराएं खत्म नहीं होतीं; वे और कठोर हो जाती हैं। यूरोप की प्रतिनिऽया संतुलित लेकिन चिंतित रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कौर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने बातचीत बहाल करने की अपील की है। उन्होंने स्प्ष्ट किया कि वे इस हमले में शामिल नहीं थे, लेकिन वे अमेरिका और क्षेत्रीय सहयोगियों के संपर्क में हैं। यूरोप जानता है कि यदि पश्चिम एशिया में बड़ा युद्ध भड़कता है तो शरणार्थी संकट, ऊर्जा अस्थिरता और आतंकवाद की नई लहर सीधे उसके दरवाजे पर दस्तक देगी। दूसरी ओर, रूस और चीन ने हमलों की निंदा तो की है, पर सीधे हस्तक्षेप के संकेत नहीं दिए। रूस ने इसे सत्ता परिवर्तन की साजिश बताया है, जबकि चीन ने ईरान की संप्रभुता के सम्मान की बात कही। लेकिन दोनों देशों की रणनीति व्यावहारिक है कि वे अमेरिका को एक और लंबे युद्ध में उलझा देखना चाहते हैं। यूक्रेन युद्ध में व्यस्त रूस और आर्थिक हितों में उलझा चीन फिलहाल प्रत्यक्ष सैन्य टकराव से बचना चाहेंगे। अगर देखा जाए तो ईरान की ताकत केवल उसकी सेना नहीं, बल्कि उसका 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' नेटवर्क है, लेबनान का हिज्बुवाह, यमन के हुत्ती, और इराक सीरिया की शिया मिलिशिया इसमें शामिल है। यदि यह नेटवर्क पूरी तरह सक्रिय होता है, तो संघर्ष कई मोर्चों पर फैल सकता है। खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डे, इजरायल के शहर और लाल सागर की शिपिंग लाइनें निशाने पर आ सकती हैं। यही वह बिंदु है जहां क्षेत्रीय युद्ध वैश्विक संकट में बदल सकता है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन जैसे देश पहले से अमेरिकी सुरक्षा छाते पर निर्भर हैं। यदि ईरान इनके खिलाफ हमले तेज करता है, तो अमेरिका की प्रत्यक्ष भागीदारी और गहरी हो सकती है।

यह वही परिदृश्य है जिसने 1991 के खाड़ी युद्ध और 2003 के इराक युद्ध को जन्म दिया था। फर्क इतना है कि इस बार ईरान कहीं अधिक संगठित, तकनीकी रूप से सक्षम और वैचारिक रूप से आक्रामक है। दक्षिण एशिया की भूमिका भी दिलचस्प है। पाकिस्तान ने ईरान के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया है, लेकिन वह खुलकर अमेरिका के खिलाफ नहीं जाएगा। भारत ने पारंपरिक संतुलन की नीति अपनाई है और शांति और कूटनीति पर जोर दिया है। भारत के लिए, यह संकट ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़ा है। नई दिल्ली किसी खेमे में शामिल होने से बचेगी, क्योंकि उसका हित बहुध्रुवीय संतुलन में है। जिस प्रकार से दुनिया के देशों का रुख देख दिया है, उससे स्थिति काफी भयावह दिख रही है। ईरान की असली ताकत उसका 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' नेटवर्क है, लेबनान का हिज्बुवाह, यमन के हुती विद्रोही, और इराक-सिरिया की शिया मिलिशिया। यह नेटवर्क असममित युद्ध का साधन है। सीधे टकराव के बजाय प्रॉक्सी हमलों के जरिए दवाव बनाना ईरान की रणनीति का हिस्सा रहा है। हालांकि हिन्कुबह पहले से कमजोर है और हुती विद्रोहियों पर भी अमेरिका ने कई हमले किए हैं। ऐसे में यह नेटवर्क कितना प्रभावी रहेगा, यह बड़ा प्रश्न है। सऊदी अरब, यूएई और बहरीन जैसे देश वर्षों से अमेरिकी सुरक्षा छतरी पर निर्भर रहे हैं। ईरान के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता नई नहीं है। यदि इन देशों पर हमले बढ़ते हैं तो वे स्वाभाविक रूप से अमेरिका के और करीब जाएंगे। रिपोटों के अनुसार सऊदी नेतृत्व ने पहले भी वॉशिंगटन पर ईरान के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का दबाव डाला था। अब जब जवाबी कार्रवाई का खतरा सामने है, तो ये देश सुरक्षा और स्थिरता के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहे हैं। खाड़ी क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। यहां अस्थिरता का अर्थ है तेल कीमतों में उछाल, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर।

यदि होरमुज जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक मार्ग बाधित होते हैं, तो इसका प्रभाव एशिया, यूरोप और अमेरिका तक महसूस होगा। परमाणु हथियारों का सीधा उपयोग भले दूर की बात हो, लेकिन परमाणु ठिकानों पर हमले रेडियोधर्मी जोखिम और वैश्विक दहशत पैदा कर सकते हैं। हालांकि इस समय आवश्यकता है संयम और संवाद की। इतिहास गवाह है कि क्यूबा मिसाइल संकट से लेकर ईरान परमाणु समझौते तक, कूटनीति ने ही परमाणु टकराबों को टाला है। यदि बार्ता के दरवाजे पूरी तरह बंद हो गए, तो युद्ध की लपटें सीमाओं को नहीं पहचानेंगी। अली खामेनेई की मौत ने एक युग का अंत किया है, लेकिन यह एक नए और अनिश्चित अध्याय की शुरुआत भी है। ईरान के भीतर सत्ता हस्तांतरण, जनता की प्रतिक्रिया और सैन्य नेतृत्व की रणनीति आने वाले दिनों में तय करेगी कि यह संकट किस दिशा में जाएगा। दुनिया के लिए यह क्षण चेतावनी का है कि एक ऐसा समय जब शक्ति प्रदर्शन से ज्यादा विवेक की जरूरत है। आज आवश्यकता है संयम, संवाद और यथार्थवादी आकलन की। युद्ध में विजेता कोई नहीं होता, क्योंकि हार हमेशा मानवता की होती है। दुनिया को तीसरे विश्वयुद्ध की नहीं, तीसरे दशक की स्थिरता की जरूरत है।

मनोज कुमार अग्रवाल

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस सुरक्षित भारत का निर्माण

प्रत्येक वर्ष 4 मार्च को भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का आयोजन हमें उस उत्तरदायित्व का बोध कराता है जो केवल सीमा पर तैनात प्रहरियों तक सीमित नहीं हैए बल्कि जिसका विस्तार देश के प्रत्येक ग्रामए नगर और गलियों तक है। सुरक्षा एक व्यापक संकल्पना है जिसमें न केवल बाह्य शत्रुओं से रक्षा सम्मिलित हैए वरन आंतरिक स्थिरताए आर्थिक सुदृढ़ता और प्राकृतिक आपदाओं से बचाव भी इसके अभिन्न अंग हैं। इस दिवस की पृष्ठभूमि अत्यंत गौरवमयी हैए जिसकी नींव वर्ष 1999 में तत्कालीन राष्ट्रपति केण् आरण् नारायणन द्वारा रखी गई थी। यह दिवस राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की 36वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। हैदराबाद में स्थित यह गौरवशाली संस्थान दशकों से नागरिकों को आपदा प्रबंधनए आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिकारए आभासी प्रहारों और प्राकृतिक आपदाओं के समय धैर्य एवं कौशल से कार्य करने का प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। वर्ष 2026 के परिप्रेक्ष्य मेंए जब भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी धाक जमा रहा हैए तब इस दिवस की महत्ता और भी बढ़ जाती है क्योंकि एक सशक्त राष्ट्र की आधारशिला उसकी सुरक्षा व्यवस्था की अभेद्यता पर टिकी होती है।

यदि हम भारत की सुरक्षा यात्रा के इतिहास का अवलोकन करेंए तो यह संघर्ष और विजय की गाथाओं से परिपूर्ण है। 15 अगस्त 1947 को जब भारत ने पराधीनता की बेड़ियाँ काटींए तो उसके साथ ही विभाजन की त्रासदी और सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रायोजित घुसपैठ की चुनौतियां भी सामने आई। 1962 के युद्ध ने हमें यह सिखाया कि सुरक्षा के प्रति शिथिलता घातक हो सकती हैए जिसके पश्चात 1963 में नागरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण संस्थानों की रूपरेखा तैयार की गई। इसके उपरांत 1965 और 1971 के युद्धों ने भारतीय सैन्य बल की अदम्य शक्ति को सिद्ध किया और यह स्पष्ट कर दिया कि सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक नीतियों की आवश्यकता है। इसी दूरदर्शिता के परिणामस्वरूप 1999 में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का गठन हुआए जो प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्र की रक्षा हेतु रणनीतिक निर्णय लेती है। इतिहास गवाह है कि जब.जब राष्ट्र पर संकट आयाए चाहे वह 2004 की विनाशकारी सुनामी हो या 2008 का मुंबई आतंकी हमलाए प्रशिक्षित नागरिकों और स्वयंसेवकों ने सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मानवता की रक्षा की। वीरता और समर्पण की इसी परंपरा को सम्मानित करने हेतु केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष पुरस्कार वितरित किए जाते हैंए जो सुरक्षा को केवल एक सरकारी विभाग की जिम्मेदारी न मानकर इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्य से जोड़ते हैं। आज के इस आधुनिक युग में सुरक्षा की परिभाषा केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं रह गई हैए बल्कि यह बहुआयामी और अत्यंत जटिल हो चुकी है। वर्तमान समय में भारत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती सीमा पार से संचालित आतंकवाद है। कश्मीर की शांत वादियों में अशांति फैलाने के उद्देश्य से विदेशी शक्तियों द्वारा समर्थित आतंकी संगठन निरंतर षड्यंत्र रचते रहते हैं। 2019 का पुलवामा प्रहार भारतीय सुरक्षा इतिहास का एक दुखद अध्याय थाए किंतु इसके उत्तर में किए गए नियोजित वायु सेना के प्रहार ने विश्व को यह संदेश दिया कि नवीन भारत अब केवल रक्षात्मक नहींए बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए कठोर निर्णय लेने में भी सक्षम है। आतंकवाद के साथ.साथ आज श्आभासी सुरक्षाश् या कंप्यूटर तंत्र की सुरक्षा एक अत्यंत गंभीर विषय बनकर उभरी है। जैसे.जैसे हम अंकीय क्रांति और वित्तीय लेन.देन के लिए अंतरजाल पर निर्भर हो रहे हैंए वैसे.वैसे विदेशी हैकर्स और शत्रु देशों द्वारा हमारे डेटा और महत्वपूर्ण सूचनाओं को चुराने के प्रयास बढ़ गए हैं। रूस और यूक्रेन के मध्य चले संघर्ष के उपरांत आभासी आक्रमणों की तीव्रता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। भारत जैसे विशाल देश मेंए जहाँ करोड़ों लोग डिजिटल माध्यमों का प्रयोग कर रहे हैंए वहाँ एक छोटी सी तकनीकी चूक भी राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को चोट पहुँचा सकती है। आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर नक्सलवाद और वामपंथी उग्रवाद जैसी समस्याएं राष्ट्र की प्रगति में बाधक रही हैं। छत्तीसगढ़ और झारखंड के वनाच्छादित क्षेत्रों में सक्रिय उग्रवादी तत्व विकास कार्यों को रोकने का प्रयास करते हैंए जिससे निपटने के लिए सरकार निरंतर सामरिक और विकासात्मक रणनीतियों का समन्वय कर रही है। वहीं दूसरी ओरए लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश की सीमाओं पर पड़ोसी देशों की विस्तारवादी नीतियां और आक्रामकता एक सतत चिंता का विषय है। 2020 में गलवान घाटी में हुआ संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि शांति बनाए रखने के लिए भी सैन्य तत्परता अनिवार्य है। थल और नभ के साथ.साथ जलमार्ग की सुरक्षा भी भारत के लिए प्राणवायु के समान है। हिंद महासागर में विदेशी नौसेनाओं की बढ़ती हलचल और समुद्री डाकुओं का आतंक हमारे व्यापारिक हितों के लिए चुनौती है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत ने चतुर्भुज सुरक्षा संवाद ;क्वाडद्ध जैसे अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों के माध्यम से अपनी समुद्री उपस्थिति को सशक्त किया है। इसके अतिरिक्तए जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न होने वाली प्राकृतिक आपदाएंए जैसे हिमालयी क्षेत्रों में आने वाली बाढ़ और समुद्री चक्रवातए भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा बन चुके हैं क्योंकि ये जन.धन की अपार हानि करते हैं। इन सभी चुनौतियों का प्रत्युत्तर देने हेतु भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। श्आत्मनिर्भर भारतश् अभियान के अंतर्गत रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में हम स्वावलंबी बन रहे हैं। 2026 तक हमारा लक्ष्य है कि भारतीय सेना द्वारा प्रयोग किए जाने वाले 70 प्रतिशत अस्त्र.शस्त्र स्वदेशी हों। तेजस जैसे युद्धक विमान और अग्नि जैसी शक्तिशाली प्रक्षेपास्त्र प्रणालियां भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी श्साइबर सुरक्षा संचालन केंद्रोंश् की स्थापना की गई है जो चौबीसों घंटे हमारे आभासी अंतरिक्ष की निगरानी करते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अपनी त्वरित कार्यप्रणाली से आपदाओं के समय होने वाली क्षति को न्यूनतम करने में सफलता प्राप्त की है। सरकार ने शिक्षा के स्तर पर भी सुरक्षा बोध को अनिवार्य बनाने का प्रयास किया है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में राष्ट्रीय कैडेट कोर और राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से युवाओं को अनुशासन और राष्ट्र रक्षा का पाठ पढ़ाया जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली प्रदर्शनियाँ और संगोष्ठियाँ सामान्य नागरिकों को उन खतरों के प्रति सचेत करती हैं जिनसे वे अनभिज्ञ हो सकते हैं।

परंतुए प्रश्न यह उठता है कि एक सामान्य नागरिक इस महायज्ञ में क्या आहुति दे सकता हैघ् सुरक्षा का प्रथम नियम श्सजगताश् है। एक जागरूक नागरिक समाज की आँखें और कान होता है। सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी लावारिस वस्तु या संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत सुरक्षा बलों को देना एक अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। अंकीय जगत में सुरक्षा बरतने के लिए जटिल कूटशब्दों का प्रयोग करनाए अपरिचित संदेशों से सावधान रहना और वित्तीय जानकारी को गोपनीय रखना आज के युग की अनिवार्य आवश्यकता है। इसके साथ हीए प्राकृतिक आपदाओं के समय घबराने के स्थान पर पूर्व.तैयारी रखनाए जैसे प्राथमिक चिकित्सा किट और आवश्यक वस्तुओं का संचय करनाए न केवल व्यक्ति विशेष बल्कि पूरे समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहाँ सामान्य नागरिकों ने अपनी सूझबूझ से बड़े संकटों को टाला है। मुंबई के आतंकी हमलों के दौरान स्थानीय टैक्सी चालकों और होटल कर्मियों ने जिस साहस का परिचय दियाए वह सेना के पराक्रम से कम नहीं था। अतःए सुरक्षा का मार्ग व्यक्तिगत अनुशासन से होकर राष्ट्र के गौरव तक जाता है।

भविष्य की ओर दृष्टि डालें तो आने वाला समय कृत्रिम मेधाए मानवरहित विमानों ;ड्रोनद्ध और क्वांटम संगणना का है। ये तकनीकें जहाँ सुरक्षा को अभेद्य बनाएंगीए वहीं नई चुनौतियां भी प्रस्तुत करेंगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित की जा रही कृत्रिम मेधा प्रणालियां सीमाओं पर बिना मानवीय हस्तक्षेप के निगरानी रखने में सक्षम होंगी। अंतरिक्ष की सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत ने 2019 के एंटी.सैटेलाइट परीक्षण के माध्यम से अपनी धाक जमाई हैए जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हमारे संचार उपग्रह अंतरिक्ष में भी सुरक्षित हैं। भविष्य की सुरक्षा केवल शस्त्रों से नहींए बल्कि श्रेष्ठतम तकनीक और अटूट एकता से सुनिश्चित होगी। आर्थिक विषमता और सामाजिक भेदभाव भी कभी.कभी आंतरिक विद्रोह का कारण बनते हैंए इसलिए वास्तविक सुरक्षा तभी संभव है जब देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास के फल पहुँचें और वह स्वयं को राष्ट्र की मुख्यधारा का हिस्सा समझे।

निष्कर्षतःए राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस एक ऐसा अवसर है जो हमें आत्मचिंतन की प्रेरणा देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम एक ऐसे देश के निवासी हैं जिसकी सीमाएं हिमालय की चोटियों से लेकर हिंद महासागर की गहराइयों तक फैली हैं। इसकी रक्षा का दायित्व केवल उन वीरों का नहीं है जो शून्य से नीचे के तापमान में सीमाओं पर प्रहरी बने खड़े हैंए बल्कि यह हमारा सामूहिक धर्म है। प्रधानमंत्री के शब्दों मेंए सुरक्षा एक साझा संकल्प है। जब तक राष्ट्र का प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को देश का प्रथम रक्षक नहीं मानेगाए तब तक पूर्ण सुरक्षा की कल्पना अधूरी है। आइएए इस पावन दिवस पर हम यह प्रतिज्ञा लें कि हम सदैव सजग रहेंगेए विधि.व्यवस्था का सम्मान करेंगे और अपने आचरण से राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखेंगे। सतर्क भारत ही समर्थ भारत है और समर्थ भारत ही विश्व शांति का अग्रदूत बन सकता है। जय हिंदए जय भारत।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप श्रीवास्तव की उपस्थिति में भव्य श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय एकता युवा मोर्चा के तत्वाधान में प्रधान कार्यालय, आवास विकाश कालोनी जिला बाराबंकी, उत्तर प्रदेश मे राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप श्रीवास्तव की उपस्थिति में भव्य श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथा का बखान आचार्य मनीष तिवारी जी द्वारा किया गया उन्होने कहा प्रभु की कथा सुनने से दुष्ट प्रकृति का व्यक्ति भी भगवान की कृपा पा सकता है उन्होंने धुंधकारी की कथा भी सुनाई इस दौरान अध्यक्ष दिलीप श्रीवास्तव, राष्ट्रीय प्रभारी शरद श्रीवास्तव, बाराबंकी जिलाध्यक्ष राहुल शुक्ला, जिला संयोजक अशोक रावत, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष बाराबंकी माधवी कुमारी एवं समस्त पदाधिकारीगण उपस्तिथ हुए।

गांव की एकता ही समाज की ताकत है: पद्मश्री सुधा सिंह

लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना की खेल अधिकारी पदम श्री सुधा सिंह डोमापुर गांव में शिव मंदिर के जीर्णोद्धार के शुभारंभ और होली पर्व पर सम्मान समारोह कार्यक्रम में शामिल हुई। गांव की सैकड़ों महिलाएं, पुरुष और बच्चे मौजूद रहे। कार्यक्रम में ओलंपियन, पद्मश्री और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित सुधा सिंह मुख्य अतिथि रहीं। ढोलक की थाप और हर-हर महादेव के उद्घोष के बीच उनका स्वागत हुआ। ग्रामीणों ने उन्हें अपनी बहू के रूप में अपनापन दिया। सुधा सिंह ने महिलाओं को गले लगाया। अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। बच्चों को दुलारा। ग्रामीणों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। पत्रकारों को भी सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि गांव की एकता ही समाज की असली ताकत है। धार्मिक स्थल हमारी आस्था और सामाजिक चेतना के प्रतीक हैं। महिलाओं को उन्होंने गांव की आधारशिला बताया। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि बेटियों को खेल के लिए प्रोत्साहित करें। खेल अनुशासन और आत्मविश्वास देता है। गांव के बच्चे भी देश का नाम रोशन कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्र मोहन सिंह ने किया।

महिला की झोपड़ी में आग लगने से नगदी समेत गृहस्थी जली

आग में दो मवेशी झुलसे, हालत गंभीर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के महमदमऊ गांव में रविवार देर रात आग लगने से एक महिला की झोपड़ी जल गई। नगदी, अनाज और गृहस्थी का सामान राख हो गया। अग्निकांड में दो मवेशी भी मामूली रूप से झुलस गए। गांव निवासी फूलमति रावत पत्नी कल्लू अपने मायके महमदमऊ में बच्चों के साथ रहती हैं। रात में वह घर पर सो रही थीं। पास की झोपड़ी में अचानक आग लग गई। छप्पर के नीचे भूसा, गेहूं, कपड़े और बर्तन रखे थे। कपड़ों में रखे 10 हजार रुपये भी जल गए। आग बढ़ी तो वहां बंधे मवेशी रंभाने लगे। आवाज सुनकर महिला की नींद खुल गई। महिला ने बताया कि उसने हिम्मत दिखाते हुए मवेशियों को खोला और बाहर निकाला। इस दौरान दोनों मवेशी मामूली रूप से झुलस गए। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सभी ने मिलकर आग बुझाई। लेकिन तब तक झोपड़ी और उसमें रखा सामान जल चुका था। पीड़िता ने बताया कि करीब डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। परिवार के सामने अब रोजमर्रा की जरूरतों का संकट खड़ा हो गया है। घटना की सूचना पर राजस्व टीम ने मौके पर जाकर नुकसान का आकलन किया है।

महावीर स्टडी इस्टेट में धूमधाम से मनाई गई होली

महराजगंज/रायबरेली। हैदरगढ़ रोड कस्बा स्थित महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल महराजगंज में आज होली के अवसर पर विद्यालय परिसर में बच्चों द्वारा होली बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई विद्यालय प्रबंधक अवधेश बहादुर सिंह एवं प्रधानाचार्य कमल वाजपेई ने बच्चों व अभिभावकों एवं समस्त क्षेत्र वासियों को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

खबर का असर: पानी की बर्बादी रुकी! अटौरा में पाइपलाइन मरम्मत शुरू

● ...मलिहाबाद के अटौरा में जल जीवन मिशन की खुली पोल शीर्षक से कुछ दिनों पहले ही प्रकाशित हुई थी खबर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/मलिहाबाद: उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले के मलिहाबाद ब्लॉक अंतर्गत ग्राम अटौरा में जल जीवन मिशन (हर घर नल से जल योजना) के तहत बिछाई गई पेयजल पाइपलाइन में पिछले कुछ समय से गंभीर रिसाव की समस्या उत्पन्न हो गई थी। इस रिसाव के कारण सड़कों पर जगह-जगह पानी भर गया था, जिससे कई स्थानों पर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई और ग्रामीणों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। पानी के जमा होने से कीचड़ और गंदगी फैल गई थी, जिससे बच्चों और बुजुर्गों के लिए चलना-फिरना मुश्किल हो गया था। ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था।इस पूरे मामले को स्वतंत्र प्रभात ने प्रमुखता से उठाया और खबर को विस्तार से प्रकाशित किया। रिपोर्ट में समस्या की गंभीरता, रिसाव के कारण सड़कों की स्थिति और ग्रामीणों की परेशानियों को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया था। खबर के प्रकाशित होने के बाद संबंधित विभाग के अधिकारियों ने तुरंत संज्ञान लिया। जल निगम और ग्राम पंचायत स्तर पर टीम गठित की गई और मरम्मत कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया।वर्तमान में पाइपलाइन के सभी प्रमुख रिसाव बिंदुओं की मरम्मत का काम चल रहा है। क्षतिग्रस्त हिस्सों को बदलकर नई पाइपलाइन जोड़ी जा रही है, साथ ही सड़कों की मरम्मत भी की जा रही है ताकि जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि मीडिया की सक्रिय भूमिका के कारण ही प्रशासन जागा और समस्या का समाधान शुरू हुआ।एक ग्रामीण ने बताया, 'हम कई दिनों से परेशान थे, पानी सड़क पर बह रहा था और सड़कें टूट गई थीं। स्वतंत्र प्रभात ने हमारी आवाज बुलंद की, जिसके बाद अधिकारियों ने फौरन कार्रवाई की। अब उम्मीद है कि कुछ दिनों में सब ठीक हो जाएगा। 'यह घटना जल जीवन मिशन जैसी महत्वाकांक्षी योजना में बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता और समय-समय पर रखरखाव की आवश्यकता को भी उजागर करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी योजनाओं में पाइपलाइन बिछाने के बाद नियमित निरीक्षण और मरम्मत का इंतजाम मजबूत होना चाहिए, ताकि पानी की बर्बादी रुके और ग्रामीणों को निर्बाध आपूर्ति मिल सके।स्वतंत्र प्रभात मीडिया परिवार ने हमेशा की तरह जनहित के मुद्दों को प्रमुखता दी है और इस बार भी इस खबर ने सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्रामीणों ने पत्रकारिता की इस जिम्मेदार भूमिका की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी ऐसी समस्याओं पर त्वरित ध्यान दिया जाएगा।

खैराबाद ब्लॉक में होली मिलन समारोह, रंग-गुलाल के साथ गूंजा भाईचारे का संदेश

● ब्लॉक प्रमुख अजय विश्वकर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधि अपूर्व अग्रवाल ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों व पत्रकारों संग मनाई होली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद के विकास खण्ड खैराबाद परिसर में होली के पावन अवसर पर आपसी सौहार्द, भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश देने वाला होली मिलन समारोह उल्लास और पारंपरिक रंगों के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक प्रमुख अजय कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में किया गया, जिसमें क्षेत्र पंचायत सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। समारोह के दौरान प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व अग्रवाल (कालू भैया) ने ब्लॉक क्षेत्र के लगभग एक सैकड़ा क्षेत्र पंचायत सदस्यों को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पारंपरिक मिठाइयों के रूप में गुझिया वितरित की गई और सभी ने एक-दूसरे को मिठास के साथ पर्व की बधाई दी और पत्रकारों को भी रंग-गुलाल लगाकर तथा गुझिया भेंट कर सम्मानित किया गया, जिससे आयोजन में सौहार्द और सम्मान का भाव और अधिक प्रबल हुआ। कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम और भेदभाव मिटाने का संदेश देने वाला त्योहार है।

समारोह में नितिन गुप्ता, अनूप विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, अंशू सिंह सहित सैकड़ों क्षेत्रवासी व पत्रकार उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में पारंपरिक उल्लास, सांस्कृतिक गरिमा और भाईचारे की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जिसने होली के मूल उद्देश्य को सार्थक किया।

जोर पकड़ रहा TET अनिवार्यता का विरोध, उत्तर प्रदेश में अब चरणबद्ध आंदोलन करेंगे शिक्षक

लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों के लिए टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक संगठनों ने चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ ने सभी संबद्ध संगठनों को साथ लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार की है। महासंघ में कुल 20 संगठन जुड़े हुए हैं। आंदोलन के पहले चरण में नौ मार्च से 15 मार्च तक 'शिक्षक की पाती' अभियान चलाया जाएगा, जिसके माध्यम से शिक्षक अपनी बात केंद्र सरकार तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। दूसरे चरण में 13 अप्रैल को मशाल जुलूस निकाला जाएगा। तीसरे चरण में तीन मई को लखनऊ में रैली आयोजित कर एकजुटता और ताकत का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद चौथे चरण में संसद का घेराव करने की योजना है। महासंघ के पदाधिकारियों का कहना है कि पहले से नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त किया जाना चाहिए। उनका तर्क है कि जिन शिक्षकों की सेवा पांच वर्ष से अधिक हो चुकी है, उनके लिए सेवा में बने रहने या पदोन्नति हेतु टीईटी को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनिवार्य किया गया है। ऐसे में केंद्र सरकार को शिक्षकों की परिस्थितियों को देखते हुए टीईटी अनिवार्यता से राहत देनी चाहिए।

दारुका पेपर मिल मजदूरों का आंदोलन खत्म, प्रशासन की मध्यस्थता से बकाया भुगतान पर बनी सहमति

● दारुका पेपर मिल मजदूरों का आंदोलन खत्म, प्रशासन की मध्यस्थता से बकाया भुगतान पर बनी सहमति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में दारूका पेपर मिल के श्रमिकों द्वारा किया जा रहा पिछले 5 दिनों आंदोलन सोमवार को प्रशासन की सूझबूझ से समाप्त हो गया। सीतापुर से करीब सात किलोमीटर दूर कटीली स्थित हाईवे पर संचालित दारूका पेपर मिल में मजदूरों का गतिरोध पिछले कई दिनों से जारी था। अपनी मांगों को लेकर आज श्रमिक लखनऊ कूच की तैयारी में थे, लेकिन मंडी गेट पर प्रशासन ने उन्हें रोककर वार्ता के जरिए समाधान निकाल लिया। संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक पिंदर सिंह सिद्धू ने बताया कि जैसे ही मजदूर पैदल मार्च के लिए आगे बढ़े, मौके पर भारी पुलिस बल के साथ एसडीएम सदर दामिनी एम दास और सीओ सिटी विनायक भोसले पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे और उन्हें मंडी गेट पर रोक लिया हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने मजदूरों को शांत कराया और मिल प्रबंधन के साथ सीधे मंडी समिति परिसर में उच्चस्तरीय वार्ता कराई। बताया जाता है कि वार्ता का सकारात्मक परिणाम सामने आया। मिल प्रबंधन ने सहमति जताई कि धरने पर बैठे प्रत्येक कर्मचारी को तत्काल 5,000 रुपये की सहायता राशि शाम तक दी जाएगी। इसके साथ ही प्रशासन की मौजूदगी में यह भी आश्वासन दिया गया कि मजदूरों का शेष बकाया वेतन भी जल्द भुगतान कर दिया जाएगा। इस अवसर पर सिख संगठन के जिला अध्यक्ष गुरपाल सिंह ने कहा कि होली पर्व से ठीक पहले मिली यह आर्थिक राहत मजदूरों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है और इससे उनके चेहरों पर खुशी लौट आई है। वहीं, किसान मंच की प्रदेश अध्यक्ष कल्पना सिंह ने कहा कि भारी पुलिस मौजूदगी के बीच हुआ यह समझौता न केवल मिल परिसर में शांति बहाल करने वाला है बल्कि यह भी दर्शाता है कि संवाद और आपसी बातचीत से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान संभव है। प्रशासनिक हस्तक्षेप और समझौते के बाद संगठन ने अपना धरना समाप्त करने का निर्णय लिया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सोनिया, जिला सचिव अमन सिंह, निर्मल सिंह, हरप्रीत सिंह, सुनीता सरोजिनी, प्रमोद सत्रोहन, लाल विनय बाबूजी श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और मजदूर मौजूद रहे!!

सिलेंडर ब्लास्ट महिला समेत पांच लोग झुलसे खाना बनाते समय लगी आग, घर का सामान जलकर राख

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के मानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अलउदीपुर में रविवार देर शाम करीब 8 बजे गैस सिलेंडर में आग लगने के बाद जोरदार विस्फोट हो गया। हादसे में घर में मौजूद पांच लोग झुलस गए, जबकि पूरा घरेलू सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार अलउदीपुर निवासी ओम प्रकाश कन्नौजिया की पत्नी इंद्रानी (65) गैस चूल्हे पर खाना बना रही थीं। इसी दौरान अचानक सिलेंडर में आग लग गई आग लगते ही घर में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंचे, लेकिन कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया। विस्फोट में इंद्रानी गंभीर रूप से झुलस गईं आग बुझाने के प्रयास में शोभित यादव (23) और अजय कुमार (42) भी झुलस गए। तीनों घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। वहीं अमित यादव (22) और प्रदीप यादव (35) को मामूली चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को खतरे से बाहर बताया गया है। धमाका इतना तेज था कि घर में रखा अनाज, कपड़े और अन्य जरूरी सामान पूरी तरह जल गया। पीड़ित परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में गैस रिसाव को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि गैस सिलेंडर और चूल्हे का उपयोग सावधानीपूर्वक करें। गैस रिसाव की आशंका होने पर तुरंत सिलेंडर बंद कर सुरक्षित दूरी बनाएं और संबंधित एजेंसी को सूचना दें!!

डंपर की टक्कर से एलडीए के वरिष्ठ लिपिक दंपति समेत चालक गंभीर

लालगंज (रायबरेली)। बांदा बहराइच मार्ग पर सोमवार दोपहर बड़ा सड़क हादसा हो गया। चांदा गांव के पास बेकाबू डंपर ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। कार में सवार लखनऊ के गोमती नगर निवासी महेंद्र प्रताप सिंह घायल हो गए। वह लखनऊ विकास प्राधिकरण में वरिष्ठ लिपिक हैं। उनके साथ पत्नी सावित्री सिंह भी थीं। कार चालक दिलीप कुमार भी गंभीर रूप से घायल हुए। दिलीप सुल्तानपुर के धकूरपुर गांव के रहने वाले हैं। कार सवार दंपत्ति ड्राइवर के लालगंज अपनी बेटी और दामाद से मिलने आ रहे थे। तभी विपरीत दिशा से आए डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को फौरन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक इलाज किया। हालत नाजुक देखते हुए तीनों घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि डंपर पुलिस के कब्जे में है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

महिला और 5 वर्षीय बेटी के अचानक लापता होने से सनसनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ नवाबगंज के अजगैन थाना क्षेत्र से एक महिला और उसकी पांच वर्षीय बेटी के अचानक लापता होने की खबर ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। परिवार और पुलिस दोनों ही इनकी तलाश में जुट गए हैं। घटना की जानकारी के अनुसार, 24 फरवरी को 27 वर्षीय कोमल पत्नी और उसकी पाँच वर्षीय बेटी वैष्णवी लखनऊ से अपने मायके अजगैन थाना क्षेत्र के सेरसा गांव जा रही थीं। परिजन बताते हैं कि सुबह लगभग 11 बजे वह घर से निकलीं और शाम करीब 4 बजे सेरसा गांव पहुंच गई, लेकिन वहां घर पर कोई नहीं मिला और ताला लगा हुआ था। परिवार के अनुसार शाम लगभग 5 बजे कोमल ने अपने भाई विवेक को फोन कर बताया कि घर पर कोई नहीं है और वह वापस लखनऊ लौट रही है, लेकिन उसके बाद उनका मोबाइल बंद हो गया। परिवार ने रात 10 बजे तक उनके वापस न लौटने पर खुद तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अगले दिन 25 फरवरी को परिवार ने एसएसपी से शिकायत की और पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए गुमशुदगी दर्ज कर जल्द कार्रवाई व खोजबीन तेज करने की मांग की। कुलदीप कुमार पति ने एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र में लिखा कि मोबाइल सर्विलांस कर संभावित स्थानों का पता लगाया जाए। पुलिस ने मामले में गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और मोबाइल डिटेल, संभावित रूट तथा आसपास के इलाकों में खोजबीन की जा रही है। फिलहाल कोमल और वैष्णवी का कोई ठोस सुराग नहीं मिला है, लेकिन पुलिस की टीम लगातार तलाश में लगी हुई है। पुलिस ने परिजनों को भी संयम बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध जानकारी का तुरंत साझा करने की अपील की है, ताकि मां-बेटी को सुरक्षित ढूंढा जा सके।

चिलौली मजरे सुल्तानपुर गांव में होली मिलन समारोह एवं फाग गायन का हुआ भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज (रायबरेली) जिस दौर में अधिकतर युवाओं में आधुनिकता की चकाचौंध में सामाजिक सांस्कृतिक धरोहर जैसी महत्वपूर्ण परंपराएं धुंधली नजर आने लगी हों उसी दौर विकास खंड क्षेत्र के चिलौली मजरे सुल्तानपुर गांव के रहने वाले समाजसेवी हैप्पी सिंह ने विलुप्त हो रही समाजिक परंपरा को जीवंत बनाए रखने की दिशा में काम करते हुए अपने निज निवास पर भव्य होली मिलन समारोह एवं फाग गायन का आयोजन किया गया।

जिसमें बड़ी तादाद में हैप्पी सिंह गांव क्षेत्र के बुजुर्गों को अंग वस्त्र भेंटकर उन्हें सम्मानित किया इसके अलावा महिलाओं को वस्त्र भेंटकर सभी को होली की शुभकामनाएं दीं। युवा समाजसेवी ने करीब एक हजार पुरुष एवं महिलाओं, तथा बुजुर्गों को सम्मानित किया। फाग गायन मंडली में शामिल टूक फाग मंडल एवं ओथी फाग मंडल के बीच जवाबी का कार्यक्रम हुआ कलाकारों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों के धुन पर फाग प्रस्तुति से पूर्व देवी देवताओं का आवाहन करते हुए कहा सुमिरन करो आदि भवानी का, पहला सुमिरन गणपति देवा और ऋद्धि सिद्धि महारानी का

दूसरा सुमिरन शंकर जी का, और गौरा महारानी का तीसरा सुमिरन विष्णु जी का, और लक्ष्मी महारानी का, सुमिरन करो आदि भवानी का इसके बाद अनेक सारी फाग विधा से जुड़े परंपरागत गीतों से होली मिलन समारोह में उत्साह उमड़ पड़ा। इस दौरान समाजसेवी हैप्पी सिंह ने कहा कि होली का त्योहार अपनों को सम्मान करने और गिले शिकवे भुलाकर गले लगाने का त्योहार है,

ये हमें समाज में समभाव पूर्वक सामंजस्य बनाकर रहने का संदेश देता है। इसके अलावा उन्होंने ने कहा कि अपने लोगों का सम्मान करने का मौका मिला जिससे मन गदगद है, आगे भी लोगों की सेवा करता रहूंगा। इस दौरान शीतला बक्स सिंह, अन्नी अवस्थी, भाजपा नेता सरोज गौतम, आदि मौजूद रहे।

खामेनेई की मौत के बाद सड़कों पर उतरे आईजी पुलिस के साथ की फ्लैग मार्च, संवेदनशील इलाकों की ड्रोन से निगरानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद सीतापुर जिले में सतर्कता बढ़ा दी गई है एहतियातन शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से लखनऊ रेंज आईजी किरण एस के निर्देश पर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में विशेष पेट्रोलिंग कराई गई। इस दौरान ड्रोन से भी लगातार निगरानी की जा रही है आईजी रेंज लखनऊ के नेतृत्व में शहर के कोर्ट चौराहा से इमामबाड़ा तक पैदल गश्त (फुट पेट्रोलिंग) की गई इस दौरान प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे फुट पेट्रोलिंग में डीएम राजा गणपति आर, एएसपी उत्तरी आलोक सिंह, सीओ सिटी विनायक भोसले एसडीएम दामिनी एम दास सहित भारी पुलिस बल शामिल रहा पेट्रोलिंग के दौरान अधिकारियों ने बाजारों, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया तथा आम लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की आईजी किरण एस ने कहा कि पुलिस हर परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह अलर्ट है और सोशल मीडिया सहित हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है। किसी भी अफवाह पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। आईजी ने होली और रमजान के मद्देनजर भी लोगों को संदेश देते हुए कहा कि दोनों पर्व शांति, भाईचारे और आपसी सौहार्द के साथ मनाए जाएं किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना फैलाने या माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी आईजी ने स्पष्ट किया कि जिले में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और नागरिकों को किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी गई है। जरूरत पड़ने पर सुरक्षा व्यवस्था और सख्त की जाएगी!!

ईरान के सुप्रीम लीडर Ayatollah Ali Khamenei की मौत के दूसरे दिन पुराने लखनऊ में पसरा सन्नाटा

लखनऊ। अमेरिका और इजराइल के हमले में रविवार को ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के दूसरे दिन भी लखनऊ और पास के जिलों में माहौल बेहद गमगीन है। सोमवार को भी पुराने लखनऊ में शोक का माहौल है। शिया समुदाय ने खामेनेई की मौत पर तीन दिन शोक की अपील है। अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के कारण पसरे गमगीन माहौल के कारण पुराने लखनऊ के बाजार पूरी तरह बंद हैं। बड़ा-छोटा इमामबाड़ा व भूल भुलैया भी बंद है। बड़े इमामबाड़े से छोटे इमामबाड़े तक की दुकानें शोक में खोली नहीं गई। पुराने शहर की कई इमारतों पर खामेनेई के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। अयातुल्ला खामेनेई की हत्या के विरोध में आल इंडिया शिया पर्सनल ला बोर्ड की ओर से तीन दिनों के शोक का ऐलान किया गया है। इस नाते शिया समुदाय के लोग स्याह परिधानों में सांकेतिक विरोध कर रहे हैं। प्रशासन ने धार्मिक भावनाओं व सुरक्षा को लेकर एहतियातन बड़ा व छोड़ा इमामबाड़ा को बंद करने का निर्णय लिया है। लखनऊ के छोटे और बड़े इमामबाड़े को मंगलवार तक के लिए बंद कर दिया गया है। तीन मार्च के बाद पर्यटकों के लिए इमामबाड़े खोले जाएंगे।

मर्सी हॉस्पिटल लीजेंड क्रिकेट टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की लगी बोली, आकर्षण का केंद्र रहे खिलाड़ी

● कुछ खिलाड़ियों को उनके बेस प्राइस पर खरीदा गया कुछ अनसोल्ड भी रहे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तंबौर सीतापुर जीनियस मोंटेसरी स्कूल में मर्सी हॉस्पिटल लखनऊ की तरफ से लीजेंड क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया जा रहा है यह टूर्नामेंट 27 मार्च से शुरू हो रहा है इसमें क्षेत्र के लीजेंड खिलाड़ी अपने हुनर का जलवा दिखाते हुए नजर आएंगे जीनियस मोंटेसरी स्कूल में हुए इस आक्शन में कुल 8 टीमों ने भाग लिया जिसमें 135 खिलाड़ियों पर बोली लगाई गई जिन में भारत इंटरप्राइजेज, एम एस खान जुगनू टी, हनी बनी, खान क्रिकेट क्लब, राज इंटरप्राइजेज, भारत इंटरप्राइजेज, टाइगर 11 क्लब, मर्सी हॉस्पिटल लखनऊ, वा एस के प्लाईवुड आदि आठ टीमों ने इसमें भाग लिया देर रात तक चले इस आक्शन में सबसे महंगे खिलाड़ी दिलशाद खान रहे जिनको 2500 में हनी बनी टीम ने खरीदा, बदरे आलम 1800 को मर्सी हॉस्पिटल लखनऊ की टीम ने खरीदा, नितिन वर्मा 1300 को एम एस खान जुगनू टी की टीम ने खरीदा , शैलेश यादव को 1250 में टाइगर 11 ने खरीदा, वही तौकीर टिक टॉक को 1100 में राज एंटरप्राइजेज ने खरीदा, नोवा सुल्तान 1050 में राज इंटरप्राइजेज, वहीं मेहमूद खान को 1050 में हनी बनी की टीम ने खरीदा, शोएब आलम 850 को एस के प्लाईवुड, वा अतीक मखाया को मर्सी हॉस्पिटल लखनऊ की टीम ने 800 में खरीदा, शाहनवाज खान को 800 में एम एस खान जुगनू टी की टीम ने, तथा नीरज वर्मा को 800 में भारत इंटरप्राइजेज की टीम ने खरीदा, वहीं कुछ खिलाड़ियों को उनके बेस प्राइस पर खरीदा गया जीनियस मोंटेसरी स्कूल को दूधिया रोशनी में पूरी तरह से सजाया गया था इस मौके पर कामरान खान ठेकेदार, सैयद रेहान खान सभासद, सगीर गौरी, मुन्ना गौरी, उस्मान खान, अकमल खान, मशरूर अंसारी, मसूद खान, मुन्ना रफी, तारीख सब्बू, असजद खान, सज्जन, शाहबाज खान, साहिल खान, जावेद सभासद, महबूब, रिंकू आलम आदि सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जेवर टोल प्लाजा से पहले यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली न करने के निर्देश, ट्रैफिक जाम से बचाने के लिए उठाया गया बड़ा कदम

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे के दनकौर रैंप प्लाजा पर वाहनों से टोल वसूली समाप्त होगी। यमुना प्राधिकरण ने जेपी इंफ्राटेक के अधिकारियों के अनुबंध की शर्तों के तहत जेवर टोल प्लाजा से पहले यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली न करने के निर्देश दिए हैं। ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 165 किमी लंबे यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर, मथुरा व आगरा में टोली वसूली का संचालक कंपनी जेपी इंफ्राटेक को अधिकार दिया गया था। यीडा ने अपने सेक्टरों की यमुना एक्सप्रेसवे से कनेक्टिविटी के लिए कई रैंप बनाए हैं। इसमें दनकौर, फलैंदा कट आदि के रैंप शामिल हैं। सेक्टर 28 में मेडिकल डिवाइस पार्क, अपैरल सेक्टर आदि की कनेक्टिविटी के लिए रैंप बनाए गए हैं। इसी तरह सेक्टर 21 में फिल्म सिटी की एक्सप्रेसवे से कनेक्टिविटी के लिए भी रैंप बनाए गए हैं। दनकौर रैंप प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों से टोल की वसूली हो रही है। यीडा सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि जेवर से पहले संचालक कंपनी को टोल वसूली का अधिकार नहीं है। उसे दनकौर रैंप पर टोल वसूली बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। नोएडा एयरपोर्ट को देखते हुए यमुना एक्सप्रेसवे पर तेजी से वाहनों की संख्या में इजाफा होगा। इसके साथ ही यीडा के सेक्टरों में बसावट होने से भी वाहनों की दबाव बढ़ेगा। ऐसे में यीडा की साठ मीटर चौड़ी सड़क पर जाम की स्थिति बन सकती है। इससे निपटने के लिए यीडा ने जेवर से पहले यमुना एक्सप्रेसवे पर किसी भी तरह की टोल वसूली की अनुमति न देने का फैसला किया है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी के लिए बनाए गई लिंक रोड पर भी एनएचएआइ से हरियाणा में ही टोल वसूली की व्यवस्था करने का आग्रह किया गया है। ताकि यीडा क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही निर्बाध रहे।

संक्षिप्त खबरें

होली पर कैमिकल रंगो से बचें, हर्बल रंगों से मनाएं पर्व : विनोद जायसवाल

नैनी क्षेत्र के हनुमान नगर निवासी समाजसेवी विनोद जायसवाल ने क्षेत्रवासियों से होली पर्व को सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि होली के अवसर पर कैमिकल युक्त रंगों का प्रयोग करने से त्वचा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे स्किन खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। श्री जायसवाल ने लोगों से आग्रह किया कि वे प्राकृतिक और हर्बल रंगों का ही उपयोग करें, ताकि किसी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उन्होंने कहा कि होली भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का त्योहार है, जिसे आपसी मिलन और सौहार्द के साथ मनाया जाना चाहिए।उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि होली के पावन अवसर पर एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए शांति और सुरक्षित वातावरण में त्योहार

यूपी के सरकारी स्कूलों में अब 'ऑडियो-विजुअल' सिस्टम से लैस होंगी स्मार्ट क्लासेस, पढ़ाई बनेगी और रोचक

अलीगढ़। बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक और अहम पहल की जा रही है। स्कूलों में स्थापित स्मार्ट क्लास केवल एलसीडी या प्रोजेक्टर तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि उन्हें आधुनिक ऑडियो-विजुअल सिस्टम से लैस किया जाएगा। यह प्रणाली ध्वनि व दृश्य दोनों माध्यमों के जरिए एक साथ जानकारी प्रस्तुत करने के लिए तैयार की गई है, जिससे विद्यार्थियों को विषय-वस्तु को समझने में आसानी होगी। परिषदीय स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं को बढ़ावा देने पर विशेष जोर है। उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को पारंपरिक पढ़ाई के साथ आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण उपलब्ध कराया जाए। प्रदेश में समग्र शिक्षा कार्यक्रम में 34 हजार 533 स्मार्ट क्लासेज के संचालन को मंजूरी मिल चुकी है। बजट में भी इसकी घोषणा की गई है। अलीगढ़ के लगभग 1700 स्कूलों में से 250 से अधिक स्मार्ट क्लासों का संचालन पहले से है। इनमें स्मार्ट टीवी, एएलसीडी व वाईफाई कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध है। प्रत्येक ब्लॉक में आईसीटी लैब बनाई गई हैं। वीडियो चित्रों व एनिमेशन के जरिए बच्चों को कठिन विषयों को आकर्षक और मनोरंजक तरीके से पढ़ाया जाता है। यह व्यवस्था बच्चों की स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने के साथ ही उनके सीखने की क्षमता को बेहतर बना रही है। सकारात्मक नतीजे सामने आने के बाद स्मार्ट क्लासेज अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित की जाएंगी। यह फैसला कुछ माह पूर्व टेक्निकल प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट की संस्तुति के आधार पर लिया गया है। इन संसाधनों की स्थापना के लिए समग्र शिक्षा कार्यक्रम में धन उपलब्ध कराया जाएगा। स्कूल शिक्षा महानिदेशालय को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि विद्यालयों में डिजिटल शिक्षण व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सके।

ये होंगे उपकरण

ऑडियो-विजुअल सिस्टम में प्रत्येक स्मार्ट क्लास में प्रोजेक्टर, डिजिटल डिस्प्ले, उच्च गुणवत्ता वाले स्पीकर, माइक्रोफोन व स्ट्रीमिंग सेवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य बच्चों के लिए पठन-पाठन को अधिक रोचक, प्रभावी व तकनीक आधारित बनाना है। ऑडियो-विजुअल माध्यम से पढ़ाई होने पर छात्र विषयों को देखकर व सुनकर बेहतर तरीके से ग्रहण कर सकेंगे। विभाग की ओर से चरणबद्ध तरीके से स्कूलों में इस नई प्रणाली को लागू करने की तैयारी की जा रही है। इस पहल से परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा और विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

निगम पार्षद जगमोहन महलावत के सौजन्य से भव्य होली मिलन समारोह कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बसंत कुंज के निगम पार्षद,सनातन धर्म प्रेमी जगमोहन महलावत की ओर से कम्युनिटी सेंटर वसंत कुंज में होली के रंगारंग मनोहरी कार्यक्रम का भव्य आयोजन आगंतुकों के लिए यादगार बन गया।इस विशेष होली मिलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज, पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री एवं बृजवासन के विधायक कैलाश गहलोत, छतरपुर के विधायक करतार सिंह तंवर, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं मालवीय नगर के विधायक सतीश उपाध्याय, महरौली जिला भाजपा अध्यक्ष रविंद्र सोलंकी, दक्षिणी दिल्ली स्टैंडिंग कमेटी की चेयरपर्सन सत्या शर्मा, डिप्टी चेयरपर्सन सुरेंद्र तंवर, निगम पार्षद इंद्रजीत सहरावत के अलावा भारी संख्या में आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी एवं मसूदपुर, बसंत कुंज, किशनगढ़, मेहरौली, छतरपुर कटवारिया सराय, राजोकरी आदि आसपास के इलाकों से भारी संख्या में गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर इस रंगारंग कार्यक्रम को बेहद खास बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली देहात की पहचान नगाड़े की थाप से हुई। उपस्थित जनसमूह ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाए तथा फूलों की होली ने माहौल को पूरी तरह से खुशनुमा बना दिया।इस अवसर पर कवि सम्मेलन का भी आयोजन हुआ,जिसमें ख्याति प्राप्त कवियों ने अपनी कविता एवं व्यंग से दर्शकों को लोटपोट कर दिया। मथुरा से आए कलाकारों ने राधा रानी के मधुर संगीत से सारे वातावरण को भक्ति के रंग से सराबोर कर दिया। सभी आगंतुकों ने होली महोत्सव का भरपूर आनंद उठाया तथा इस विशेष अवसर पर बनने वाले स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाया। निगम पार्षद जगमोहन महलावत की अपनी खास पहचान है जो सामाजिक सरोकार से जुड़े धार्मिक एवं परंपरागत अवसरों पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन कर क्षेत्र वासियों को एक अनुपम अवसर प्रदान करते रहे हैं। दशहरा के अवसर पर उनकी रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला में भारी भीड़ जुड़ती है जो दक्षिण दिल्ली में लोगों की कोतुहलता एवं आकर्षण का हमेशा महत्वपूर्ण केंद्र रहा है।

होली पर बालिका गृह में खुशियों की बरसातः डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने खिलाई गोझिया, बांटे नए कपड़े

●होली पर बालिका गृह में खुशियों की बरसातः डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने खिलाई गोझिया, बांटे नए कपड़े

●'सुविधाओं में नहीं होगी कोई कमी'– 111 बच्चियों की देखभाल और शिक्षा पर प्रशासन का फोकस खेलकूद, लाइब्रेरी और बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए विशेष इंतजाम, डीएम ने की व्यवस्थाओं की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। होली पर्व के पावन अवसर पर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने सोमवार को निधरिया स्थित राजकीय बालगृह (बालिका) पहुंचकर बच्चियों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस दौरान उन्होंने अपने हाथों से बच्चियों को गोझिया खिलाई और नए कपड़ों का वितरण कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी। जिलाधिकारी ने बताया कि राजकीय बालिका गृह में वर्तमान में 111 बच्चियां निवास कर रही हैं। इनमें वे बालिकाएं शामिल हैं जिनके माता-पिता नहीं हैं। उनके रहने, भोजन और शिक्षा की समुचित व्यवस्था प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बालिका गृह की किसी भी सुविधा में कमी नहीं आने दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान डीएम ने बच्चियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और दैनिक जीवन से जुड़ी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि 10 बच्चियां इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हो रही हैं, जिनके लिए किताबों और अन्य शैक्षणिक संसाधनों की विशेष व्यवस्था की गई है। साथ ही लाइब्रेरी और शिक्षकों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है। बच्चियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को ध्यान में रखते हुए खेलकूद की बेहतर व्यवस्था और पार्किंग स्थल का निर्माण भी कराया जा रहा है। नाबालिग बच्चियों की सुरक्षा और देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। होली के अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे त्योहार को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाएं। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ अमरेंद्र कुमार पौत्स्यायन सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में लगी भीषण आग, आशियाना खाक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या खंडासा थाना क्षेत्र के टिकटी गांव अंतर्गत पूरे ओरी सराय गांव में संदिग्ध परिस्थितियों लगी भीषण आग से एक परिवार की संपूर्ण गृहस्थी जलकर नष्ट हो गई, जब कि अग्निकांड में दो अन्य लोगों के गैर आवासीय छप्पर भी जलकर राख हो गए हैं। सूचना पर पहुंचे मिल्कीपुर अग्निशमन कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद बेकाबू आग को बुझाया जा सका। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पूरे ओरी सराय गांव निवासी महिला सुशीला के छप्पर के मकान में सोमवार को दोपहर करीब 12 बजे अचानक आग की लपटें उठने लगी। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपने आगोश में ले लिया और फूस का मकान पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गया। आग इतनी भीषण थी कि पड़ोस में ही स्थित श्रवण कुमार तथा जय गोविंद के पशु शाला एवं गैर आवासीय भवन को भी अपने आगोश में ले लिया और दोनों लोगों की पशु शाला एवं छप्पर में रखें भूसे सहित खाद्यान्न सामग्री भी जलकर नष्ट हो गई। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी मिल्कीपुर फायर स्टेशन को दी द्य सूचना पाकर चालक हृदय राम विश्वकर्मा एवं फायर मैन संदीप भट्ट, प्रशांत दीक्षित, विकास कुमार, सत्यम सक्सेना एवं उत्तम राजवंशी की टीम अग्निशमन यंत्र के साथ मौके पर पहुंच गए उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद बेकाबू आग को बुझाने में सफलता प्राप्त की।ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आशीष यादव ने बताया कि घटना की जानकारी स्थानीय तहसील प्रशासन को दे दी गई है, अग्नि पीड़ित परिवारों के लिए भोजन इत्यादि की व्यवस्था कराई जा रही है।

दादरी में शिया समुदाय का ईद बहिष्कार, खामेनेई की हत्या पर अमेरिका-इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन

दादरी। ईरान, इराक, इजरायल, अमेरिका, यूएई के अलावा अन्य खाड़ी देशों के बीच चल रही जंग के दौरान ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के मारे जाने के बाद शिया समुदाय में आक्रोश देखने को मिल रहा है। ग्रेटर नोएडा के दादरी क्षेत्र के गांव छेलस जारचा नूरपुर में शिया समुदाय के लोगों ने ईद नहीं मनाने का ऐलान किया है और अमेरिका-इजरायल के विरोध में नारेबाजी की। ग्रेटर नोएडा के दादरी क्षेत्र के छेलस जारचा नूरपुर में मस्जिद इमाम रजा छेलस गढ़ी पर नमाज के बाद हजारों लोग एकत्र हुए और अमेरिका, इजरायल के खिलाफ नारे लगाते हुए इमामिया चौक पहुंचकर विरोध जताया। मौलाना फहरत अब्बास इमाम ए जुम्मा छेलस ने लोगों से कहा शिया समुदाय के लोग ईद नहीं मनाएंगे। मौलाना इरफान रजा ने कहा वे तीन दिन का शोक मनाए और काले कपड़े पहनेंगे। बता दें कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच लगातार हमले तेज हो रहे हैं। इसी बीच ईरान के सर्वोच्च नेता के मारे जाने की खबर आते ही ईरान, भारत, पाकिस्तान समेत कई देशों के शिया समुदाय के लोगों में मातम का माहौल देखने को मिला। जम्मू-कश्मीर में दो दिन शोक अवकाश तक घोषित कर दिया गया।

होली एआई रे... रंगों से ज़्यादा फ़िल्टर का त्योहार

● होली आई रे... नहीं साहब, इस बार होली एआई रे!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अब न पिचकारी असली रही, न रंग असली–सब कुछ 'अपडेटेड वर्ज़न' में आ गया है। मोहल्ले की गली में अबीर-गुलाल कम और मोबाइल के कैमरे ज़्यादा उड़ते दिखाई देते हैं। पहले लोग होली पर गले मिलते थे, अब 'फेस रिकॉग्निशन' से पहचानते हैं– 'अरे तुम ही हो न? वही जो पिछले साल मेरे ऊपर पक्का रंग डालकर भाग गए थे?' अब बदला भी डिजिटल हो गया है। एआई बता देता है कि किसने किस पर कितना रंग लगाया और किसने फोटो में कितनी मुस्कान एडिट की।कहते हैं होली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भक्त प्रह्लाद की भक्ति और होलिका के दहन की कथा हम बचपन से सुनते आए हैं। पर आजकल लगता है कि असली होलिका तो हमारी प्राइवेसी है, जो हर साल सोशल मीडिया की अग्नि में स्वाहा हो जाती है।अब देखिए, पहले मथुरा-वृंदावन की होली की चर्चा होती थी, लोग मथुरा और वृंदावन जाने का सपना देखते थे। अब सपना यह होता है कि 'रील' वायरल हो जाए। रंग से ज्यादा फिक्र इस बात की होती है कि वीडियो पर कितने व्यूज़ आए। कोई गुलाल लगाने से पहले पूछता है– 'भाई, कैमरा ऑन है न? 'एआई का कमाल देखिए–अब होली की शुभकामनाएँ भी इंसान नहीं, 'चैटबॉट' लिखते हैं। एक क्लिक में सौ लोगों को एक जैसा संदेश– 'रंगों का त्योहार आपके जीवन में खुशियों की बहार लाए।' बहार तो ठीक है, पर मौलिकता का क्या?मोहल्ले के शर्मा जी ने इस बार 'स्मार्ट पिचकारी' खरीदी है। कहते हैं इसमें सेंसर लगा है–जो सामने वाले के कपड़ों की कीमत पहचानकर उसी हिसाब से रंग की मात्रा तय करता है। महंगे कपड़े पर हल्का गुलाल, सस्ते पर पूरा टैंक खाली! तकनीक का न्याय भी बड़ा विचित्र है।बच्चे अब कीचड़ में नहीं कूदते, वे 'वर्चुअल होली गेम' खेलते हैं। स्क्रीन पर रंग उड़ाते हैं और असली कपड़े साफ रखते हैं। मां-बाप भी खुश–न कपड़े धुलेंगे, न गली में शिकायत आएगी।

और नेताओं की होली? वह भी एआई-प्रूफ हो गई है। भाषण पहले से ही 'डेटा एनालिसिस' से तैयार–किस मोहल्ले में कितनी मिठास घोलनी है, किस वर्ग पर कितना रंग डालना है, सब एल्गोरिद्म तय करता है।पर इस व्यंग्य के बीच एक सच भी छिपा है–तकनीक ने सुविधाएँ दी हैं, पर त्योहार की आत्मा अभी भी दिलों में बसती है। होली का असली रंग तब चढ़ता है जब रूठे मन मान जाते हैं, जब बिना फिल्टर की हँसी गूंजती है, जब रिश्तों की पिचकारी सच्चे स्नेह से भीगती है।तो आइए, इस बार 'होली एआई रे...' कहते हुए भी इंसानियत का रंग फीका न पड़ने दें। तकनीक का आनंद लें, पर रिश्तों को ऑफलाइन ही रखें। क्योंकि असली होली वही है, जो दिल से खेली जाए–बिना डेटा पैक और बिना एडिट के।

केवल नाम का 'आदर्श गांव'! 2023-24 में 40 लाख स्वीकृत गांव सभा में लेकिन आज तक कार्य अधूरा, ज़मीनी विकास शून्य

● दरगारबंद जीपी के अंतर्गत आदर्श कृष्णानगर में ग्रामीणों का आक्रोश।

जिला प्रशासन अधिकारी मौन भूमिका में! प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: सरकार द्वारा 'आदर्श गांव'योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, डिजिटल सेवाओं और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बड़ी धनराशि आवंटित की जाती है। लेकिन श्रीभूमि जिला के दरगारबंद ग्राम पंचायत अंतर्गत आदर्श कृष्णनगर और छनटिला गांवों में विकास कार्यों को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 2023-24 में 40 लाख रुपये की परियोजना स्वीकृत हुई थी गांव सभा के माध्यम से, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्य ज़मीन पर दिखाई नहीं दिया। इससे गांववासियों में भारी असंतोष व्याप्त है। बुनियादी सुविधाओं का अभाव सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार एक आदर्श गांव में निम्नलिखित सुविधाएँ अपेक्षित हैं:

सीसी सड़कें, उन्नत जल निकासी प्रणाली, सौर अथवा विद्युत स्ट्रीट लाइट शुद्ध पेयजल (वाश के माध्यम से) सार्वभौमिक शौचालय सुविधा तेज़ इंटरनेट कनेक्टिविटी ग्रामीणों का दावा है कि इनमें से अधिकांश सुविधाएँ कागज़ों तक ही सीमित हैं। स्वास्थ्य और स्वच्छता पर प्रश्न कई घरों में शौचालय नहीं हैं। नियमित कचरा संग्रहण की व्यवस्था नहीं है और स्थायी स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित नहीं किया गया है। इससे ग्रामीणों को दैनिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा व्यवस्था प्रभावित कृष्णनगर में स्थित 155 नंबर निशिकांत एलपी स्कूल अब संचालित नहीं है, सरकार की तरफ से इसे बंद कर दिया गया है , जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। गांव में न तो आधुनिक विद्यालय है, न पुस्तकालय, न डिजिटल लैब और न ही कोई सक्रिय डिजिटल सेवा केंद्र।

आर्थिक और सामाजिक विकास ठप

कुटीर उद्योग, लघु उद्यम, आधुनिक कृषि प्रशिक्षण जैसी योजनाओं का भी कोई स्पष्ट प्रभाव दिखाई नहीं देता। स्थानीय बाजार व्यवस्था का विकास भी नगण्य बताया जा रहा है। खेल मैदान, सामुदायिक केंद्र और जल संरक्षण जैसे कार्य भी अधूरे हैं।

प्रशासन की प्रतिक्रिया

इस संबंध में जब विभागीय अधिकारियों और बीडीओ से संपर्क किया गया, तो बताया गया कि वर्ष 2023-24 के 40 लाख रुपये अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं। प्रशासन की इस स्थिति से ग्रामीणों में और असंतोष बढ़ गया है। ग्रामीणों ने भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से मामले में हस्तक्षेप कर शीघ्र जांच और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों का सीधा सवाल है स्वीकृत 40 लाख रुपये कहां गए! विकास कार्य अब तक शुरू क्यों नहीं हुए! अब देखना यह है कि 'आदर्श गांव' की संकल्पना कागज़ों तक सीमित रहेगी या वास्तव में आदर्श कृष्णनगर और छनटिला में बदलाव की नई शुरुआत होगी। अब असली प्रश्न यही है–क्या 'आदर्श गांव' केवल सरकारी फाइलों और घोषणाओं तक सीमित रहेगा, या आदर्श कृष्णनगर और छनटिला में विकास की ठोस और पारदर्शी पहल वास्तव में दिखाई देगी?

यदि आवंटित धनराशि का सही उपयोग हो, योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन हो और प्रशासन जवाबदेही के साथ आगे आए, तो सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और डिजिटल सुविधाओं जैसे मूलभूत क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। लेकिन यदि निगरानी और पारदर्शिता का अभाव बना रहा, तो 'आदर्श' शब्द केवल नाम मात्र बनकर रह जाएगा। अब ग्रामीणों की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई, जांच प्रक्रिया और विकास कार्यों की वास्तविक शुरुआत पर टिकी हैं यही तय करेगा कि यह संकल्पना प्रतीकात्मक रहेगी या परिवर्तनकारी।

आगामी पर्व होलिकोत्सव एवं होली को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूर्णतः सतर्क

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज- कस्बा गोपीगंज में श्री आर.पी. सिंह, पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर एवं क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर द्वारा स्थानीय पुलिस बल के साथ संवेदनशील एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों, बाजारों तथा भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गश्त एवं भ्रमण किया गया। इस दौरान आमजन से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया तथा आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई। पुलिस महानिरीक्षक महोदय ने भ्रमण के दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता, अफवाह या अव्यवस्था को कदापि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर बल दिया–संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त व पुलिस उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट पर कड़ी निगरानी रखी जाए। बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्कता बढ़ाई जाए। शांति समिति के सदस्यों से समन्वय स्थापित कर आपसी भाईचारा कायम रखा जाए। आपात स्थिति से निपटने हेतु पुलिस बल को अलर्ट मोड पर रखा जाए। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि होली जैसे रंगों के इस पर्व को प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह भी किया गया। जनपद पुलिस द्वारा यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि आगामी पर्वों को भयमुक्त, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ट्रेन में रह गया बच्चा, आगरा कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर गिरी महिला; वीडियो हो रहा वायरल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आगरा। अगर आप ट्रेन से सफर करने जा रहे हैं। ट्रेन में कोई सामान या फिर स्वजन छूट गया है तो ऐसे में इसकी शिकायत रेलवे अधिकारियों से की जा सकती है। रेलवे आपकी मदद करेगी लेकिन जल्दबाजी में चढ़ने का प्रयास न करें। इससे आपकी जान भी जा सकती है। सोमवार को आगरा कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो प्रसारित हो रहा है। एक महिला यात्री पानी की बोतल लेने के लिए उतरी थी। इस बीच ग्रीन सिग्नल हो गया और ट्रेन चल दी। महिला का बेटा कोच में ही छूट गया। महिला ने ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया। प्लेटफार्म पर गिर पड़ी। दूसरी बार में किसी तरीके से चढ़ गई। रेलवे ने जल्दबाजी में ट्रेन में न चढ़ने की अपील की है। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन से हर दिन 25 हजार से अधिक यात्री सफर करते हैं। होली के चलते संख्या 30 हजार से अधिक पहुंच गई है। सोमवार को इंटरनेट मीडिया में एक वीडियो प्रसारित हो रहा है। महिला यात्री पानी की बोतल खरीदने के लिए ट्रेन से उतरी। इस बीच ट्रेन चल दी। यह देखकर महिला घबरा गई। महिला का बच्चा ट्रेन में होने पर उसे दौड़ लगा दी। कोच में चढ़ने के लिए दरवाजे का हैंडल पकड़ा लेकिन वह छूट गया। महिला प्लेटफार्म में धड़ाम से गिर पड़ी। उसने हिम्मत नहीं हारी। ट्रेन की गति और भी बढ़ गई। यह देखकर महिला ने दोबारा दौड़ लगा दी और किसी तरीके से कोच में चढ़ गई। महिला का यह वीडियो तेजी से इंटरनेट मीडिया में प्रसारित हो रहा है। जनसंपर्क अधिकारी प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि जल्दबाजी में ट्रेन में न चढ़े। अगर कोई सामान या फिर स्वजन छूट गया है तो इसकी शिकायत रेलवे अधिकारियों या फिर रेलवे हेल्प लाइन से की जा सकती है।

संतकबीर नगर में होली पर संवेदनशील और आबादी वाले क्षेत्रों में तैनात होगी अतिरिक्त पुलिस फोर्स, रुकने दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संतकबीर नगर। एसपी संदीप कुमार मीना ने गत रविवार की देर रात एएसपी सुशील कुमार सिंह, सभी सीओ,एसओ व पुलिस चौकी प्रभारी सहित अन्य अधिकारियों संग ऑनलाइन मीटिंग की। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने एवं होली को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के निर्देश दिए। होली मिलन,जुलूस व अन्य कार्यक्रम आयोजित करने वाली समितियों के पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शर्तों का पालन सुनिश्चित कराएं। जनपद के चिह्नित संवेदनशील व मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करने, निरंतर गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए एसपी ने कहा कि इंटरनेट मीडिया की लगातार मानीटरिंग करते हुए आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। नियमों का उल्लंघन आपत्तिजनक गाना बजाने वाले डीजे संचालकों पर कार्रवाई करें। डीजे संचालकों को रेड कार्ड जारी करते हुए पाबंदी की विधिक कार्यवाही पूर्ण करने को कहा। शांतिपूर्ण माहौल में होलिका दहन कराएं। विवाद की स्थिति में इसकी सूचना तुरंत उच्च अधिकारीगण को दें। यूपी-112 व अन्य आपात सेवाओं को सतर्क रखने के निर्देश दिए। होली जुलूस का परंपरागत मार्गों का चिह्नांकन कर रूट चार्ट तैयार करने व विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। सर्विलांस व स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) अफवाहों पर नजर रखें। इंटरनेट मीडिया की मानीटरिंग करते रहें शराब की दुकानों के निर्धारित समय का सख्ती से अनुपालन कराएं। ओवररेटिंग,अवैध बिक्री,बिना लाइसेंस शराब बिक्री करने,नशे में हुड़दंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा।